मार्गशीर्ष शुक्ल - 14 ▪ संवत 2081 ▪ वर्ष - 12 ▪ अंक - 139 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » शनिवार » 14-12-2024 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 'एक राष्ट्र एक चुनाव' कानून अच्छी मंशा से लाए जाने पर ही फायदेमंद : प्रशांत किशोर

6 गुकेश- शह और मात का नया शहंशाह

7 उम्मीद है कि बांग्लादेश अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के लिए कदम उठाएगा

फर्स्ट टेक

नाइजर ने 'बीबीसी' को निलंबित किया

डकार (सेनेगल)/एपी। नाइजर में सत्तारूढ़ जुंटा (सैन्य) शासन ने एक चरमपंथी हमले की कवरेज के कारण 'बीबीसी' (ब्रिटिश ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन) का प्रसारण तीन महीने के लिए निलंबित कर दिया है। अधिकारियों ने यह जानकारी देते हुए बताया कि इस हमले में कई नाइजीरियाई सैनिक और नागरिक कथित तौर पर मारे गए थे। संचार मंत्री ने गलत जानकारी प्रसारित करने का आरोप लगाकर रेडियो स्टेशनों से ''तत्काल प्रभाव से'' बीबीसी को निलंबित करने को कहा।

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

चुनावी प्रपंच

हर चुनाव में हर दल को,
रहती बस मुद्दों की तलाश।
कर जाति धर्म गठजोड़ तोड़,
करते रहते इसके प्रयास।
इक दूजे को नीचा करने,
पुश्तों तक की करते तपास।
जिसको इक कहता है विनाश,
दूजा उसको कहता विकास।।

महाकुंभ एकता का महायज्ञ

देश की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पहचान को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा महाकुंभ : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

प्रयागराज/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि महाकुंभ देश की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पहचान को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा और यह एकता का महायज्ञ है।

प्रधानमंत्री ने 5500 करोड़ रुपए की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन करने के बाद यहां एक सार्वजनिक सभा को संबोधित करते हुए कहा, महाकुंभ देश की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पहचान को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा।

महाकुंभ को एकता का महायज्ञ बताते हुए, प्रधानमंत्री ने कहा कि इसमें जाति और संप्रदायों का भेद मिट जाता है। उन्होंने इस आयोजन के महत्व पर बहुत विश्वास व्यक्त किया और कहा कि यह एकता का महायज्ञ होगा जो जाति, संप्रदाय और क्षेत्र के सभी विभाजनों से परे होगा। उन्होंने प्रयागराज को सिर्फ एक भौगोलिक नहीं बल्कि एक आध्यात्मिक स्थान बताया जहां गंगा, यमुना और सरस्वती नदियों का पवित्र संगम सभी क्षेत्रों के लोगों को एकजुट करने में अहम भूमिका निभाता है।

- **प्रधानमंत्री ने 5500 करोड़ रुपए की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया।**
- **प्रधानमंत्री ने भारद्वाज आश्रम गलियारा, श्रृंगवेरपुर धाम गलियारा, अक्षयवट गलियारा, हनुमान मंदिर गलियारा का उद्घाटन भी किया।**

प्रयागराज आध्यात्मिक अनुभव की जगह

मोदी ने कहा, ''प्रयागराज सिर्फ एक भौगोलिक स्थान नहीं है, यह आध्यात्मिक अनुभव की जगह है। यह ज्ञान और ज्ञान के लोगों का आशीर्वाद है कि मुझे बार-बार इस भूमि पर आने का सौभाग्य मिलता है। पिछले कुंभ में भी मुझे संगम में स्नान करने का सौभाग्य मिला था और आज एक बार फिर मुझे गंगा के चरणों में आशीर्वाद प्राप्त करने का सौभाग्य मिला है।''

प्रधानमंत्री ने कुंभ के ऐतिहासिक महत्व पर जोर दिया और याद दिलाया कि कैसे सदियों से ऋषि-मुनियों ने राष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा करने और बहुमूल्य मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए इस समागम का उपयोग किया है। उन्होंने कहा कि प्राचीन काल में भी कुंभ ने सामाजिक बदलाव की नींव रखी थी। पहले ऐसे आयोजनों में श्रद्धालुओं को परेशानियों का सामना करना पड़ता था, लेकिन उस समय की सरकारों ने इसकी परवाह नहीं की। इसका कारण उनका भारतीय संस्कृति से विमुख होना था । उन्होंने कहा, लेकिन आज केंद्र और राज्य में ऐसी सरकार है जो आस्था और भारतीय संस्कृति का सम्मान करती है,।

प्रधानमंत्री ने रामायण, कृष्ण और बौद्ध सर्किट जैसे विभिन्न सांस्कृतिक सर्किटों के विकास पर प्रकाश डाला। अपने संबोधन में, उन्होंने सफाई कर्मचारियों के योगदान को स्वीकार किया जो इस तरह के बड़े पैमाने के आयोजनों की सफाई और सफलता सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

कुंभ आर्थिक रूप से सशक्त भी बनाता है

प्रधानमंत्री ने कहा, कुंभ न केवल सामाजिक मजबूती देता है, बल्कि लोगों को आर्थिक रूप से सशक्त भी बनाता है। उन्होंने कुंभ में प्रौद्योगिकी के अधिक से अधिक एकीकरण का आह्वान किया और इस आयोजन में एकता की भावना को दर्शाने तथा युवाओं के बीच इसकी अपील बढ़ाने के लिए फोटोग्राफी प्रतियोगिताओं जैसी पहल का सुझाव दिया। उन्होंने 2025 के महाकुंभ मेले के लिए बुनियादी ढांचे में सुधार के उद्देश्य से 5,500 करोड़ रुपए की प्रमुख विकास परियोजनाओं का उद्घाटन किया।

तमिलनाडु में बारिश का कहर जारी

मुख्यमंत्री स्टालिन ने जिलाधिकारियों से बात की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। तमिलनाडु के कई जिलों में शुक्रवार को भी बारिश जारी रही और दक्षिणी जिलों में लगातार वर्षा के कारण थामिराबरनी नदी उफान पर है।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने तिरुनेलवेली, तेनकासी और तूतिकोरिन के जिलाधिकारियों से बात की और उनसे बारिश से हुए नुकसान और लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उठाए जा रहे कदमों के बारे में जानकारी ली।

मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''मैंने जिलाधिकारियों और जिला निगरानी अधिकारियों से भारी बारिश से लोगों को बचाने के लिए किए जा रहे राहत कार्यों के बारे में जानकारी ली।'' उन्होंने अधिकारियों को पर्याप्त सावधानी बरतने तथा आवश्यक वस्तुओं और दवाओं का पर्याप्त भंडार बनाए रखने के निर्देश दिए।

स्टालिन ने यहां एझिलागम स्थित 24 घंटे खुले रहने वाले राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र का दौरा किया। दौरे के बाद उन्होंने संवाददाताओं से कहा, ''तीनों दक्षिणी जिलों में भारी बारिश हो रही है। राहत एवं बचाव गतिविधियों की निगरानी के लिए राज्य के मंत्रियों और वरिष्ठ अधिकारियों को संबंधित जिलों में भेजा गया है।'' मुख्यमंत्री ने कहा कि वह मंत्रियों और अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क में हैं और स्थिति पर करीबी नजर रख रहे हैं। उन्होंने कहा, ''फिलहाल कोई बड़ा नुकसान नहीं हुआ है। राज्य सरकार मौजूदा स्थिति से निपटने के लिए तैयार है।''

जल संसाधन विभाग के अनुसार, प्रचुर जल प्रवाह के कारण राज्य भर में जलाशय तेजी से भर रहे हैं और आज तक 90 जलाशयों में कुल भंडारण 83.61 प्रतिशत है। चेन्नई में, पेयजल आपूर्ति का स्रोत छह जलाशयों में कुल भंडारण क्षमता 13,213 एमसीएफटी (मिलियन क्यूबिक फुट) के मुकाबले 87.69 प्रतिशत यानी 11,587 एमसीएफटी है।

जाति के नाम पर चुनाव जीतने वाले अपने समुदाय के लिए कुछ नहीं करते : गडकरी

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने शुक्रवार को कहा कि जाति के नाम पर चुनाव जीतने वाले लोग अपने समुदाय के लिए कुछ नहीं करते, बल्कि अपने परिवार के सदस्यों को चुनाव में उतारने के लिए टिकट मांगते हैं। 'टाइम्स नेटवर्क इंडिया इकोनॉमिक कॉन्क्लेव 2024' में एक सवाल के जवाब में गडकरी ने कहा, ''अब राजनीति में समस्या यह है कि पिछड़ापन एक राजनीतिक हित बन गया है...इसलिए हर कोई यह साबित करना चाहता है कि वह पिछड़ा है।'' मंत्री ने कहा कि जिनके पास लोगों को दिखाने के लिए कोई काम नहीं है, वे जाति के नाम पर चुनाव जीतने की कोशिश करते हैं। गडकरी ने कहा, ''मुझे एक उदाहरण बताइए, जब किसी ने जाति के नाम पर चुनाव जीता हो और फिर अपने समुदाय के कल्याण के लिए काम किया हो? चुनाव जीतने के बाद वे अपनी पत्नी और बच्चों के लिए टिकट मांगते हैं।'' उन्होंने कहा कि राजनीतिक दलों को गरीबों, युवाओं, किसानों, महिलाओं के कल्याण और भारतीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए काम करना चाहिए।गडकरी ने कहा कि चुनाव प्रचार के दौरान उन्होंने कभी जाति के बारे में बात नहीं की।

दिल्ली के लगभग 30 विद्यालयों को बम से उड़ाने की धमकी, कुछ संदिग्ध नहीं मिला

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली के करीब 30 विद्यालयों को शुक्रवार तड़के ई-मेल पर बम से उड़ाए जाने की धमकी मिली, जिसके बाद विभिन्न एजेंसियों ने उनके परिसर की तलाशी ली। उन्होंने बताया कि तलाशी के बाद किसी भी स्कूल में कोई संदिग्ध वस्तु नहीं पायी गई। इससे पहले नौ दिसंबर को इसी तरह कम से कम 44 विद्यालयों को धमकी मिली थी। पुलिस ने धमकियों को अफवाह बताया था। दिल्ली पुलिस की विशेष शाखा ने आपराधिक धमकी और साजिश का मामला दर्ज कर लिया है, लेकिन अभी तक अपराधियों के बारे में कोई सुराग नहीं मिल पाया है। मई में 250 से अधिक विद्यालयों, अस्पतालों और अन्य प्रतिष्ठानों को इसी प्रकार की ई-मेल से धमकियां मिली थीं। इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि एक सप्ताह में दूसरी बार ऐसा हुआ है। उन्होंने सवाल किया कि बम की इन धमकियों का बच्चों पर क्या प्रभाव पड़ेगा।

दिल्ली अग्निशमन सेवा के एक अधिकारी ने कहा, '' हमें पश्चिम विहार के भटनागर इंटरनेशनल स्कूल से तड़के 4:21 बजे, श्री निवास पुरी के कैम्ब्रिज स्कूल से सुबह 6:23 बजे और ईस्ट ऑफ कैलाश के डीपीएस अमर कॉलोनी से सुबह 6:35 बजे फोन (धमकी भरे ई-मेल के संबंध में) आया।'' उन्होंने बताया,'' डिफेंस कॉलोनी के साउथ दिल्ली पब्लिक स्कूल से सुबह 7:57 बजे, सफदरजंग के दिल्ली पुलिस पब्लिक स्कूल से सुबह 8:02 बजे और रोहिणी के वेंकटेश्वर ग्लोबल स्कूल से सुबह 8:30 बजे फोन आया।'' उन्होंने बताया कि अग्निशमन विभाग, पुलिस और बम निरोधक दस्ते की टीम श्वान दस्तों के साथ विद्यालयों में पहुंच गई और जांच जारी है।

आंध्र की पूर्ववर्ती जगनमोहन सरकार ने संविधान के सभी खंडों का दुरुपयोग किया : तेदेपा

नई दिल्ली/भाषा। तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) ने आंध्र प्रदेश की पूर्ववर्ती सरकार के कार्यकाल में राज्य में अघोषित आपातकाल लगा होने का आरोप लगाते हुए शुक्रवार को कहा कि वाईएसआर कांग्रेस-नीत तत्कालीन सरकार ने संविधान के सभी खंडों का दुरुपयोग किया। तेदेपा सांसद डॉ. बायरेड्डी शबरी ने 'भारत के संविधान की 75 वर्षों की गौरवशाली यात्रा' पर लोकसभा में चर्चा में भाग लेते हुए कहा, ''हमारे संविधान की खासियत यही है कि देश का प्रधानमंत्री एक चायवाला बन सकता है और राष्ट्रपति एक आदिवासी महिला।'' चर्चा में शुरू से ही पूर्ववर्ती जगनमोहन रेड्डी सरकार पर हमलावर शबरी ने आरोप लगाया कि पिछले पांच साल में आंध्र प्रदेश की पूर्ववर्ती सरकार द्वारा संविधान के सभी खंडों का दुरुपयोग किया। उन्होंने कहा कि वाईएसआर कांग्रेस के कार्यकाल के दौरान विभिन्न कंपनियों को परेशान किया गया और उन्हें राज्य से बाहर जाने के लिए मजबूर किया गया। उन्होंने तेदेपा प्रमुख चंद्रबाबू नायडू की गिरफ्तारी सहित विभिन्न मामलों का उल्लेख करते हुए कहा कि तेदेपा प्रमुख को गिरफ्तार करके तत्कालीन सरकार ने अघोषित आपातकाल की याद दिला दी।

विदेशी मुद्रा भंडार 3.23 अरब डॉलर घटकर 654.86 अरब डॉलर पर

मुंबई/भाषा। देश का विदेशी मुद्रा भंडार छह दिसंबर को समाप्त सप्ताह में 3.23 अरब डॉलर घटकर 654.86 अरब डॉलर रहा। भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। इससे पिछले सप्ताह में, देश का विदेशी मुद्रा भंडार 1.51 अरब डॉलर की बढ़त के साथ 658.09 अरब डॉलर हो गया था। सितंबर के अंत में विदेशी मुद्रा भंडार 704.88 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गया था।

रिजर्व बैंक के शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, छह दिसंबर को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा मानी जाने वाली विदेशी मुद्रा आस्तियां 3.23 अरब डॉलर घटकर 565.62 अरब डॉलर रही। डॉलर के संदर्भ में उल्लेखित विदेशी मुद्रा आस्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं की घट-बढ़ का प्रभाव शामिल होता है। समीक्षाधीन सप्ताह में स्वर्ण भंडार का मूल्य 4.3 करोड़ डॉलर घटकर 66.93 अरब डॉलर रहा। विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 2.5 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.03 अरब डॉलर रहा। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, आलोच्य सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास भारत का आरक्षित भंडार 1.2 करोड़ डॉलर बढ़कर 4.27 अरब डॉलर रहा।

देश में जॉर्ज सोरोस की भाषा बोलती है कांग्रेस : नड्डा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायपुर/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा ने शुक्रवार को कहा कि अमेरिकी अरबपति कारोबारी जॉर्ज सोरोस भारत के खिलाफ साजिश रचने में लिप्त हैं और कांग्रेस सोरेस की भाषा बोल रही है। नड्डा ने सोरोस और सोनिया गांधी तथा राहुल गांधी के बीच कथित संबंधों की प्रकृति पर भी सवाल उठाया।

छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार का एक साल पूरा होने पर 'जनादेश परब' (लोगों का जनादेश उत्सव) कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि भाजपा लोगों की सेवा करती है, जबकि कांग्रेस लोगों के अधिकार छीनती है। उन्होंने कहा, एक संगठन ओसीसीआरपी है जो झूठ फैलाता है और देश को अस्थिर करने की कोशिश करता है। जॉर्ज सोरोस ओसीसीआरपी को वित्तीय सहायता मुहैया कराते हैं। मैंने संसद में पूछा था कि सोरोस और सोनिया गांधी के बीच क्या संबंध हैं। भारत के आम लोग जानना चाहते हैं। भाजपा नेता ने कहा, ओसीसीआरपी की रिपोर्टों की टाइमलाइन देखें। पेगासस स्पाइवेयर रिपोर्ट 18 जुलाई, 2021 को जारी की गई और संसद सत्र 19 जुलाई, 2021 से आयोजित किया गया। जब भी संसद शुरू होने वाली होती है, देश को अस्थिर करने के लिए झूठी खबरें फैलाई जा रही हैं। राहुल गांधी फिर संसद में उनके मुखपत्र की तरह ऐसे मुद्दे उठाते हैं। उन्होंने सभा में मौजूद लोगों से सवाल किया, जॉर्ज सोरोस कहते हैं कि वह मोदी सरकार को सत्ता में वापस आने से रोकने के लिए एक अरब डॉलर का फंड देंगे। कांग्रेस भारत में सोरोस की भाषा बोलती है। क्या आप ऐसे लोगों का समर्थन करते हैं जो देश के खिलाफ साजिश रचने वालों के साथ खड़े होते हैं?

नड्डा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस देश के हित को दांव पर लगाकर गद्दी पर बैठने की साजिश कर रही है।

शहीदों को श्रद्धांजलि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को संसद हमले के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा कि उनका बलिदान हमेशा देशवासियों को प्रेरित करता रहेगा। मोदी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, ''2001 के संसद हमले में शहीद हुए लोगों को श्रद्धांजलि दी। उनका बलिदान हमेशा हमारे राष्ट्र को प्रेरित करेगा। हम उनके साहस और समर्पण के लिए सदा आभारी रहेंगे।'' उल्लेखनीय है कि 13 दिसंबर 2001 को लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद के आतंकवादियों ने संसद पर हमला किया था। इस हमले में आतंकवादियों का मुकाबला करते हुए दिल्ली पुलिस के पांच जवान, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल की एक महिला कर्मी और संसद के दो कर्मी शहीद हुए थे। एक कर्मचारी और एक कैमरामैन की भी हमले में मौत हो गई थी।

भारत और थाईलैंड सैन्य हार्डवेयर के सह-उत्पादन की संभावनाएं तलाशेंगे

नई दिल्ली/भाषा। भारत और थाईलैंड ने सैन्य हार्डवेयर के सह-उत्पादन को प्रभावी ढंग से संचालित करने के लिए शीघ्र एक संयुक्त कार्य समूह स्थापित करने का निर्णय लिया है। यह निर्णय नई दिल्ली में बृहस्पतिवार को आयोजित नौवीं भारत-थाईलैंड रक्षा वार्ता में लिया गया। दस देशों वाले आसियान (दक्षिण-पूर्व एशियाई राष्ट्रों का संगठन) समूह के एक प्रमुख सदस्य थाईलैंड को भारत दक्षिण-पूर्व एशियाई क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदार के रूप में देखता है।

रक्षा मंत्रालय ने कहा, ''दोनों पक्ष रक्षा उद्योग के क्षेत्रों में सहयोग को प्रभावी ढंग से संचालित करने और निगरानी करने के लिए संयुक्त कार्य समूह की शीघ्र स्थापना पर सहमत हुए। दोनों पक्षों ने भारतीय और थाई सशस्त्र बलों के बीच ''विषय केंद्रित विशेषज्ञों'' के आदान-प्रदान पर भी सहमति व्यक्त की, ताकि विशिष्ट क्षेत्रों में नियमित संपर्क को आगे बढ़ाया जा सके और उन्हें संस्थागत बनाया जा सके।'' बैठक में भारतीय पक्ष ने भारत के रक्षा उद्योग की क्षमता पर प्रकाश डाला तथा बताया कि यह किस प्रकार 'रॉयल थाई' सशस्त्र बलों की क्षमता को बढ़ा सकता है।

सभी क्षेत्रों में महिलाओं के लिए समान अवसर उपलब्ध कराना महत्वपूर्ण: धर्मेंद्र प्रधान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने शुक्रवार को सभी क्षेत्रों में महिलाओं के लिए समान अवसर उपलब्ध कराने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि ''महिला सशक्तिकरण का भारतीय मॉडल'' सृजित करना होगा ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि महिलाएं सभी निर्णय लेने वाली संरचनाओं में शामिल हों।

मंत्री ने महिला नेताओं के लिए एक दिवसीय कार्यशाला 'शेपिंग एकेडमिक एक्सीलेंस फॉर विकसित भारत 2047' के उद्घाटन के अवसर पर यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा, ''उभरती नई विश्व व्यवस्था ज्ञान से प्रेरित होगी और महिलाएं परंपरागत सीमाओं को पार कर रही हैं, लैंगिक भूमिकाओं को चुनौती दे रही हैं तथा एसटीईएम (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित) सहित सभी क्षेत्रों में उनकी भागीदारी बढ़ रही है। सभी क्षेत्रों में महिलाओं के लिए समान अवसर उपलब्ध कराना महत्वपूर्ण है।'' उन्होंने कहा, ''महिला सशक्तिकरण का भारतीय मॉडल तैयार किया जाना चाहिए ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि महिलाएं सभी निर्णय लेने वाली संरचनाओं में शामिल हों। जैसे-जैसे हम विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में आगे बढ़ेंगे, नारी शक्ति अधिक निर्णय लेने वाली भूमिकाएं निभाएगी।''

ईपीएफओ के सदस्यों को जल्द मिलेगी एटीएम से निकासी की सुविधा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के सदस्य जल्द ही दावों के निपटान के बाद सीधे एटीएम के जरिये अपनी भविष्य निधि को निकाल सकेंगे। एक शीर्ष अधिकारी ने यह जानकारी दी है।

सेवानिवृत्ति कोष निकाय ईपीएफओ के सदस्यों को अपने दावों के ऑनलाइन निपटान के लिए सात से 10 दिन तक इंतजार करना पड़ता है। दावा निपटान होने के बाद राशि को लाभार्थियों के संबंधित बैंक खातों में स्थानांतरित कर दिया जाता है। हालांकि जल्द ही इस व्यवस्था में बदलाव करने की तैयारी है। इस योजना के तहत ईपीएफओ के सदस्यों को समर्पित कार्ड मिलेंगे, जिनका इस्तेमाल एटीएम से बचत राशि निकालने के लिए किया जा सकेगा। केंद्रीय श्रम सचिव सुमिता डावरा ने कहा कि ईपीएफओ अपने सात करोड़ से अधिक सदस्यों को बैंकिंग प्रणाली के समान सेवाएं प्रदान करने पर विचार कर रहा है। डावरा ने पीटीआई-भाषा से बातचीत में कहा कि नई व्यवस्था के तहत दावेदार, लाभार्थी या बीमित व्यक्ति एटीएम के माध्यम से अपनी दावा राशि प्राप्त कर सकेंगे। फिलहाल ईपीएफओ के लगभग सात करोड़ योगदानकर्ता सदस्य ईपीएफ, पेंशन और सेवानिवृत्ति निधि निकाय की समूह बीमा योजनाओं के अंतर्गत आते हैं। ईपीएफओ द्वारा संचालित कर्मचारी जमा संबद्ध बीमा (ईडीएलआई) योजना के तहत मृतक सदस्यों के उत्तराधिकारियों को अधिकतम सात लाख रुपए दिए जाते हैं।

नई प्रणाली में मृतक ईपीएफओ सदस्य के उत्तराधिकारी भी दावा निपटान के बाद पैसे निकालने के लिए एटीएम का उपयोग कर सकते हैं।

इसके लिए ईपीएफओ अपने सदस्यों को समर्पित कार्ड भी जारी कर सकता है।

सभापति किसान के बेटे हैं तो मैं भी मजदूर का बेटा हूं: खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि राज्यसभा में विपक्ष को बोलने का मौका नहीं दिया जा रहा, जबकि सत्ता पक्ष के लोगों को सिर्फ टीका-टिप्पणी के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि सभापति जगदीप धनखड़ स्वयं को किसान का बेटा कहते हैं, जबकि वह (खरगे) भी किसान-मजदूर के ही बेटे हैं।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को पद से हटाने संबंधी प्रस्ताव के मुद्दे पर शुक्रवार को राज्यसभा में सत्ता पक्ष और विपक्ष में आरोप-प्रत्यारोप का जोरदार दौर चला, जिसके कारण हुए भारी हंगामे के बाद उच्च सदन की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई। खरगे ने एक बयान में कहा, ''हम सदन में अपनी बात रखना चाहते हैं। हम देश को बताना चाहते हैं कि जनता के मुद्दों के लिए हम किस स्तर से अपनी बात रख रहे हैं। लेकिन हमें वक़्त ही नहीं दिया जा रहा। सत्ता पक्ष के लोग कानून के खिलाफ बात करते हैं तो उन्हें मौका दिया जाता है।'' उन्होंने कहा, ''मैं दुख के साथ कहना चाहता हूं कि जो लोग किसी विषय पर नहीं बोलना चाहते, सिर्फ दूसरों पर टीका-टिप्पणी करने में लगे रहते हैं, उन्हें सरकार और सभापति की ओर से प्रोत्साहन मिल रहा है।'' खरगे ने दावा किया, ''मैं सदन में बोलने के लिए बार-बार खड़ा होता रहा, लेकिन सभापति ने कभी हमारे लिए गंभीरता नहीं दिखाई।'' उन्होंने कहा कि सभापति को किसी का पक्ष नहीं लेना चाहिए और दोनों पक्षों को बराबरी का दर्जा देना चाहिए।

धनखड़ को पद से हटाने के मुद्दे पर राज्यसभा में जोरदार हंगामा, कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित

नई दिल्ली/भाषा। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को पद से हटाने संबंधी प्रस्ताव के मुद्दे पर शुक्रवार को राज्यसभा में सत्ता पक्ष और विपक्ष में आरोप-प्रत्यारोप का जोरदार दौर चला, जिसके कारण हुए भारी हंगामे के बाद उच्च सदन की कार्यवाही दिन भर के लिए स्थगित कर दी गई।

कार्यवाही स्थगित होने से पहले उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने विपक्ष पर उनके खिलाफ दिन-रात अभियान चलाने का आरोप लगाते हुए कहा कि वह एक किसान के बेटे हैं और कभी 'कमजोर' नहीं पड़ेंगे।

उन्होंने कहा, ''दिन भर सभापति के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है.....यह अभियान मेरे खिलाफ नहीं है, यह उस वर्ग के खिलाफ अभियान है जिससे मैं जुड़ा हूं।'' उन्होंने कहा, ''मैं व्यक्तिगत रूप से इस कारण से दुखी हूं कि मुख्य विपक्षी दल ने इसे सभापति के खिलाफ अभियान के रूप में पेश किया है। उन्हें मेरे खिलाफ प्रस्ताव लाने का अधिकार है। यह उनका संवैधानिक अधिकार है लेकिन वे संवैधानिक प्रावधानों से भटक रहे हैं।''

अल्लू अर्जुन को उच्च न्यायालय से अंतरिम जमानत मिली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना उच्च न्यायालय ने फिल्म 'पुष्पा 2' के प्रदर्शन के दौरान महिला की मौत मामले में तेलुगु अभिनेता अल्लू अर्जुन को शुक्रवार को चार सप्ताह के लिए अंतरिम जमानत दे दी। इससे पहले दिन में हैदराबाद की एक अदालत ने अभिनेता को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया था। अदालत ने अभिनेता को अंतरिम जमानत देते हुए उन्हें मामले की जांच में अधिकारियों के साथ सहयोग करने का निर्देश दिया।

अल्लू अर्जुन को उनकी हाल में प्रदर्शित फिल्म 'पुष्पा 2: द रूल' के प्रीमियर के दौरान एक महिला की मौत के मामले में आज ही हैदराबाद पुलिस ने गिरफ्तार किया था और न्यायिक हिरासत के आदेश के बाद उन्हें कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच चंचलगुडा जेल भेज दिया गया था।

चार दिसंबर की रात अभिनेता की एक झलक पाने के लिए बड़ी संख्या में प्रशंसक संध्या थिएटर में उमड़ पड़े थे। उसी दौरान भगदड़ मचने से 35 वर्षीय महिला रेवती की मौत हो गई थी और उनका आठ वर्षीय बेटा घायल हो गया था।

हैदराबाद पुलिस ने महिला के परिवार द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर अल्लू अर्जुन, उनकी सुरक्षा टीम और थिएटर प्रबंधन के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 105 और 118 (1) के तहत चिक्कड़पल्ली थाने में मामला दर्ज किया है।

अल्लू अर्जुन ने 11 दिसंबर को तेलंगाना उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाकर महिला की मौत के संबंध में उनके खिलाफ दर्ज प्राथमिकी को रद्द करने का अनुरोध किया था।

जम्मू सीमा पर ड्रोन रोधी प्रणाली से पाक की गतिविधियां शून्य हुईं : बीएसएफ अधिकारी

जम्मू/भाषा। जम्मू सीमा पर ड्रोन रोधी प्रणाली की तैनाती के बाद पाकिस्तान की ओर से ड्रोन गतिविधियां लगभग शून्य हो गई हैं। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि जहां तक प्रौद्योगिकी उन्नयन का सवाल है भारतीय बल अपने प्रतिद्वंद्वी से काफी आगे हैं।

बीएसएफ के जम्मू फ्रंटियर के महानिरीक्षक डी के बूरा ने कहा कि भारत अब वैसा नहीं रहा जब देश के पास पुराने जमाने के हथियार थे। उन्होंने कहा कि भारत ने नई प्रौद्योगिकी और उन्नत हथियार हासिल किए हैं। उन्होंने कहा कि भारी संख्या में जवानों की तैनाती के अलावा जम्मू क्षेत्र में सीमा पर तकनीकी निगरानी मौजूद है तथा इसे देश के अन्य स्थानों तक विस्तारित किया जा रहा है।

बल के 60वें स्थापना दिवस समारोह के सिलसिले में और इस वर्ष जम्मू में बीएसएफ के जवानों द्वारा अर्जित की गईं उपलब्धियों पर संवाददाताओं से बातचीत में बूरा ने कहा कि यह सेक्टर एक संवेदनशील सीमा है, जिस पर जमीनी स्तर पर जवानों और उन्नत प्रौद्योगिकी के माध्यम से चौबीसों घंटे निगरानी की जा रही है, ताकि सीमा पार से घुसपैठ को रोका जा सके। बीएसएफ अधिकारी ने कहा, ''सीमा पार से (ड्रोन) गतिविधियां कम हुई हैं और इसका सही कारण केवल उन्हें (पाकिस्तान को) ही पता है। हालांकि जब से हमने सीमाओं पर अपनी (ड्रोन रोधी) प्रणालियों को उन्नत किया है, जम्मू में यह समस्या (ड्रोन घुसपैठ) लगभग शून्य हो गई है, जिससे साबित होता है कि हमारी प्रौद्योगिकी सफल है।''

'पीएम समझ नहीं पाए कि संविधान 'संघ का विधान' नहीं है, देश उठेगा और लड़ेगा'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा सरकार पर तीखा प्रहार किया और कटाक्ष करते हुए कहा कि शायद प्रधानमंत्री यह समझ नहीं पाए हैं कि संविधान 'संघ का विधान' नहीं है।

उन्होंने लोकसभा में 'भारत के संविधान की 75 वर्षों की गौरवशाली यात्रा' पर चर्चा में भाग लेते हुए सरकार पर भय फैलाने का आरोप लगाया और दावा किया कि यदि लोकसभा चुनाव के नतीजे इस तरह के नहीं होते तो यह सरकार संविधान बदलने का काम करती। वायनाड से लोकसभा सदस्य निर्वाचित होने के बाद सदन में उनका यह पहला भाषण था। उन्होंने दावा किया कि भारत लंबे समय तक ''कायरों के हाथ में कभी नहीं रहा और यह देश उठेगा और लड़ेगा। संविधान में सामाजिक, आर्थिक व राजनीतिक न्याय का वादा है। यह वादा एक सुरक्षा कवच है, जिसे तोड़ने का काम शुरू हो चुका है।'' प्रियंका ने दावा किया, ''यह सरकार 'लेटरल एंट्री' और निजीकरण के जरिए आरक्षण को कमजोर करने का काम कर रही है। अगर लोकसभा चुनाव में ये नतीजे नहीं आए होते तो यह संविधान बदलने का काम करती।'' कांग्रेस नेता ने कहा, ''आज सत्तापक्ष बार-बार संविधान इसलिए कह रहा है, क्योंकि इस चुनाव में हारते-हारते जीतने के बाद उन्हें पता चल गया कि देश की जनता ही संविधान को सुरक्षित रखेगी और संविधान बदलने की बात इस देश में नहीं चलेगी।'' प्रियंका गांधी का कहना था कि आज जातिगत जनगणना का जिक्र सत्तापक्ष कर रहा है क्योंकि इस तरह के नतीजे आए। कांग्रेस सांसद का इशारा इस ओर था कि कुछ महीने पहले संपन्न लोकसभा चुनाव में भाजपा बहुमत से दूर रह गई और कांग्रेस की सीटों की संख्या 100 के करीब पहुंच गई। प्रियंका गांधी का कहना था, ''आज जनता की मांग है कि जातिगत जनगणना हो। जातिगत जनगणना इसलिए भी जरूरी है, ताकि पता चले कि देश में किसकी क्या स्थिति है और नीतियां उस हिसाब से बनें।'' उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के लोकसभा चुनाव के समय दिए कुछ भाषणों का हवाला देते हुए कहा, ''नरेन्द्र मोदी की जातिगत जनगणना के लिए गंभीरता का प्रमाण देखिए। जब चुनाव में पूरा विपक्ष जातिगत जनगणना की बात कर रहा था, तब नरेन्द्र मोदी कह रहे थे- ये आपकी भैंस और मंगलसूत्र चुरा लेंगे।'' उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार आर्थिक न्याय का कवच तोड़ रही है। कांग्रेस सांसद ने दावा किया कि आज किसान भगवान भरोसे है।

उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी पर निशाना साधते हुए कहा, ''पहले एक कहानी होती थी। राजा भेष बदलकर लोगों के बीच आलोचना सुनने जाता था...आज के राजा को भी भेष बदलने का बहुत शौक है... लेकिन उनमें न जनता के बीच जाने की हिम्मत है और न आलोचना सुनने की।''

तमिलनाडु में बारिश और बाढ़ का कहर जारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के कई जिलों में शुक्रवार को भी बारिश जारी है और दक्षिणी जिलों में लगातार वर्षा के कारण थामिराबरनी नदी उफान पर है। थूथुकुडी जिला प्रशासन ने थामिराबरनी नदी में जलस्तर बढ़ने के कारण श्रीवैकुंटम और एरल क्षेत्रों में बाढ़ की चेतावनी जारी की है। निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने की सलाह दी गई है।

चेन्नई में लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) ने पीने के पानी के प्रमुख स्रोतों में से एक 'रेडहिल्स' और 'चेम्बरमबक्कम' जलाशयों के पास के क्षेत्रों के लिए बाढ़ की पहली चेतावनी जारी की है, क्योंकि लगातार बारिश के कारण जलाशयों के जल स्तर में खतरनाक वृद्धि हुई है।

शहर के उपनगर में पूंडी बांध से छोड़े जा रहे अतिरिक्त पानी की मात्रा बृहस्पतिवार शाम के 5,000 क्यूसेक से बढ़ाकर आज सुबह 12,000 क्यूसेक कर दी गई है।

प्रशासन ने बताया कि थामिराबरनी के ऊपरी हिस्से में भारी बारिश के कारण नदी के किनारे स्थित सभी गांवों और कस्बों में बाढ़ की चेतावनी जारी की गई है।

राजस्व अधिकारियों को श्रीवैकुंडम और एरल में सभी संवेदनशील स्थानों से लोगों को निकालने का निर्देश दिया गया है। पुलिस और अग्निशमन एवं बचाव सेवा कर्मियों ने लोगों से सुरक्षित स्थानों पर जाने को कहा है। पड़ोसी चेंगलपट्टू जिले के मदुरनथकम में बारिश के पानी में फंसी एक निजी बस को पुलिस और लोगों द्वारा खींचकर सुरक्षित निकाला गया। हालांकि, बस में सवार कोई भी यात्री या चालक दल का सदस्य इस घटना में घायल नहीं हुआ। रात भर हुई बारिश के कारण तिरुनेलवेली जिले के सुथामल्ली में एक मकान ढह गया और तेनकासी जिले के वडकरई में एक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र जलमग्न हो गया, जबकि शंकरनकोइल में शंकरनारायण मंदिर में बारिश का पानी घुस गया।

बारिश के बावजूद, तिरुवन्नामलाई स्थित प्रसिद्ध श्री अरुणाचलेश्वर मंदिर के प्रशासन ने आज शाम पर्वतीय क्षेत्र के ऊपर महादीपम जलाने की तैयारी शुरू कर दी, जो मंदिर में दस दिवसीय भव्य उत्सव के समापन का प्रतीक है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने श्रीलंका तट से दूर बंगाल की खाड़ी के दक्षिण-पश्चिम में बने निम्न दबाव क्षेत्र के कारण 14 जिलों में भारी बारिश का पूर्वानुमान जताया है, जो मन्नार की खाड़ी और उसके आस-पास के इलाकों में फैला हुआ है। आईएमडी ने कहा कि इस प्रणाली के पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर दक्षिण तमिलनाडु की ओर बढ़ते रहने और अगले 12 घंटों के दौरान धीरे-धीरे कम दबाव वाले क्षेत्र में कमजोर होने की संभावना है।

डी गुकेश को ट्रॉफी मिली, स्टारडम का आनंद लिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सिंगापुर। रात भर जागने के बाद उनकी आंखें दर्द कर रही थीं लेकिन डी गुकेश ने लगातार कई कार्यक्रमों में भाग लिया और सैकड़ों ऑटोग्राफ देने के बाद विश्व शतरंज चैंपियनशिप की ट्रॉफी अपने हाथों में ली। चेन्नई के 18 वर्षीय गुकेश ने बृहस्पतिवार को चीन के गत चैंपियन डिंग लिरेन को हराकर ऐतिहासिक जीत दर्ज की। इस जीत के साथ 18वें और वह पांच बार के विश्व चैम्पियन विश्वनाथन आनंद के बाद दूसरे भारतीय बन गए।

इस खिताब को जीतने वाले गुकेश को 1.3 मिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 11.03 करोड़ रुपये) की भारी भरकम राशि मिली। अगली सुबह की शुरुआत ट्रॉफी की एक झलक पाने से हुई, जिसे उन्होंने छूने से इनकार कर दिया क्योंकि वे शाम को समापन समारोह तक इंतजार करना चाहते थे। चेन्नई के 18 वर्ष के ग्रैंडमास्टर गुकेश चीन के डिंग लिरेन को हराकर सबसे युवा विश्व चैम्पियन बने । चैम्पियनशिप का आखिरी मुकाबला करीब तीन सप्ताह तक चला ।

फिडे (अंतरराष्ट्रीय शतरंज महासंघ) के अध्यक्ष अर्कादी ड्वोर्कोविच द्वारा ट्रॉफी दिए जाने के बाद उन्होंने आखिरकार ट्रॉफी को अपने हाथों में लिया। उनके परिचय

में फिडे प्रस्तुतकर्ताओं ने उनके 'शानदार संतुलन' और 'बेहतरीन प्रदर्शन' के बारे में बात की जो उन्होंने एक बड़े और अधिक अनुभवी प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ किया। गुकेश ने शीर्ष पदक और पुरस्कार राशि मिलने के बाद कहा, यह क्षण ऐसा लग रहा है जैसे मैंने इसे लाखों बार जी लिया है। हर सुबह जब मैं जागता था तो यह पल ही मेरे जागने का कारण होता था। इस ट्रॉफी को थामना और यह वास्तविकता मेरे जीवन में किसी भी चीज से ज्यादा मायने रखती है।

इससे पहले वह अपने प्रशंसकों से मिलने और उनका अभिवादन करने के लिए बैठ गए जिसमें युवा, बूढ़े और छोटे बच्चे शामिल थे। कतार में खड़े लोगों में न केवल भारतीय प्रवासी शामिल थे बल्कि सिंगापुर के स्थानीय लोग भी थे जो शतरंज के बोर्ड लेकर आए थे और गुकेश का हस्ताक्षर चाहते थे। युवा खिलाड़ी ने स्वीकार किया कि नींद की कमी के कारण उनकी आंखें जल रही थीं, लेकिन उन्हें बहुत अच्छा लग रहा था। उन्होंने फिडे समापन समारोह में कहा, यह यात्रा किसी सपने से कम नहीं रही। इसमें कई उतार-चढ़ाव आए, कई चुनौतियां आईं, लेकिन मैं इसमें एक भी बदलाव नहीं करना चाहता क्योंकि यह मेरे साथ रहे लोगों की वजह से खूबसूरत रहे।

उन्होंने चुनौती देने के लिए अपने प्रतिद्वंद्वी के प्रति, उनके माता-पिता के प्रति, उनकी टीम, मेजबान देश और पिछले तीन हफ्तों में मिले कई नए प्रशंसकों तथा भगवान के प्रति आभार व्यक्त किया।

उन्होंने कहा, जब मुझे समाधान नहीं दिख रहा था तो भगवान मुझे बचा सकते थे और रास्ता दिखा सकते थे। बृहस्पतिवार को लंबी प्रेस कॉन्फ्रेंस के बावजूद उन्होंने मीडिया से बातचीत की।

मुख्यमंत्री स्टालिन ने गुकेश के लिए पांच करोड़ रुपये के नकद पुरस्कार की घोषणा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने शुक्रवार को सबसे कम उम्र के विश्व शतरंज चैंपियन बनने की उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए डी गुकेश के लिए पांच करोड़ रुपये के नकद पुरस्कार की घोषणा की। चेन्नई के ग्रैंडमास्टर गुकेश

बृहस्पतिवार को सिंगापुर में चीन के डिंग लिरेन को हराकर 18 साल की उम्र में सबसे कम उम्र के विश्व शतरंज चैंपियन बन गए। स्टालिन ने एक ट्वीट में कहा, सबसे कम उम्र के विश्व शतरंज चैंपियन डी गुकेश की शानदार उपलब्धि का सम्मान करने के लिए मुझे पांच करोड़ रुपये के नकद पुरस्कार की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। उनकी ऐतिहासिक जीत ने देश को बहुत गर्व और खुशी दी है। वह भविष्य में भी चमकते रहें और नयी ऊंचाइयों को छूते रहें। गुकेश पांच बार के विश्व चैम्पियन विश्वनाथन आनंद के बाद यह प्रतिष्ठित पुरस्कार जीतने वाले दूसरे भारतीय बन गए हैं।

गुकेश की जीत से युवा खिलाड़ियों को प्रेरणा मिलेगी: लोकसभा अध्यक्ष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। लोकसभा ने शुक्रवार को भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश को सबसे कम उम्र में विश्व शतरंज चैंपियनशिप जीतने पर बधाई दी।

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने गुकेश की इस उपलब्धि का उल्लेख करते हुए सदन में कहा कि उनकी जीत से देश में उल्लास और उत्साह का वातावरण है तथा युवा खिलाड़ियों को उनकी इस उपलब्धि से प्रेरणा मिलेगी। उन्होंने कहा, ''मैं सदन की ओर से गुकेश को बधाई और स्वर्णिम भविष्य की शुभकामनाएं देता हूं।''

भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश बृहस्पतिवार को सिंगापुर में उतार-चढ़ाव से भरे खिताबी मुकाबले की रोमांचक 14वीं और आखिरी बाजी में गत चैंपियन चीन के डिंग लिरेन को हराकर 18 साल की उम्र में सबसे कम उम्र के विश्व शतरंज चैंपियन बन गए।

अस्पताल आग: स्टालिन ने छह लोगों की मौत पर शोक व्यक्त किया, अनुग्रह राशि की घोषणा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने डिंडीगुल जिले के एक निजी अस्पताल में आग लगने से हुई छह लोगों की मौत पर शुक्रवार को शोक व्यक्त किया और उनके परिजनों को तीन-तीन लाख रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री ने इस घटना में जान गंवाने वालों के परिवारों के प्रति सहानुभूति व्यक्त की। उनमें एक नाबालिग बच्ची भी है। दो मृतक थेनी जिले के रहने वाले थे। एक बयान में स्टालिन ने मृतकों के परिवारों के लिए मुख्यमंत्री जन राहत कोष से तीन-तीन लाख रुपये की अनुग्रह राशि की घोषणा की।

उन्होंने यह भी कहा कि जो गंभीर रूप से झुलस गये हैं और जिनका सघन चिकित्सा कक्ष में इलाज चल रहा है, उन्हें एक-एक लाख रुपये दिये जाएंगे तथा मामूली रूप से झुलसे व्यक्तियों को 50-50 हजार रुपये दिये जाएंगे। उन्होंने कहा कि उन्होंने निर्देश दिया है कि आसपास के सरकारी एवं निजी अस्पतालों में जिन लोगों को भर्ती कराया गया है, उनका बेहतरीन इलाज कराया जाए। डिंडीगुल में आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि फिलहाल तीन लोगों का आईसीयू में इलाज चल रहा है। बृहस्पतिवार रात करीब साढ़े नौ बजे निजी अस्पताल में आग लग गई थी, जिससे छह लोगों की मौत हो गई। ये लोग लिफ्ट में बेहोशी की हालत में पाये गये थे। बाद में अस्पताल के डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस और अग्निशमन अधिकारियों ने बताया कि उनकी मौत दम घुटने से हुई थी।

केरल : अभिनेत्री हमला मामले में मुख्य गवाह निर्देशक बालचंद्रकुमार का निधन

कोच्चि (केरल)। केरल में 2017 के अभिनेत्री हमला मामले के प्रमुख गवाह, मलयालम फिल्म निर्देशक पी बालचंद्रकुमार का शुक्रवार की सुबह निधन हो गया। फिल्म उद्योग से जुड़े सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि बालचंद्रकुमार का चेंगन्नूर स्थित 'डॉ. केएम चेरियन इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस अस्पताल' में गुर्दे से संबंधी बीमारी का इलाज हो रहा था। उन्होंने सुबह पांच बजकर 40 मिनट पर अंतिम सांस ली। बालचंद्रकुमार के निधन की घोषणा करते हुए उनके मित्र एवं अभिनेता प्रकाश बारे ने 'फेसबुक' पर लिखा: बीमारी और अन्याय से लंबी लड़ाई के बाद, बालू चले गए... अलविदा, प्यारे दोस्त। बाद में उनका पार्थिव शरीर तिरुवनंतपुरम लाया जाएगा। सूत्रों ने बताया कि निर्देशक कई स्वास्थ्य जटिलताओं से जूझ रहे थे। उनके गुर्दा खराब हो गये थे, जिसके कारण बार-बार डायलिसिस की आवश्यकता होती थी। वह गंभीर कोविड-19 से पीड़ित हुए थे और उन्हें हृदय संबंधी समस्याएं भी थीं। बालचंद्रकुमार ने 2013 में फिल्म 'काउबॉय' का निर्देशन किया था। वर्ष 2021 में बालचंद्रकुमार ने अभिनेता दिलीप के खिलाफ एक महत्वपूर्ण बयान दिया था, जो कोच्चि में सनसनीखेज अभिनेत्री हमला मामले में एक प्रमुख आरोपी हैं। आरोप है कि अभिनेता के पास हमले के वीडियो थे और उन्होंने मामले में गवाहों को प्रभावित करने का प्रयास किया था।

उच्च न्यायालय ने गायक कृष्णा को सुब्बुलक्ष्मी पुरस्कार देने पर रोक लगाने संबंधी आदेश निरस्त किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मद्रास उच्च न्यायालय ने एकल न्यायाधीश द्वारा लगाई गई उस अंतरिम निषेधाज्ञा को शुक्रवार को निरस्त कर दिया, जिसमें यहां स्थित संगीत अकादमी को प्रख्यात गायिका एम एस सुब्बुलक्ष्मी के नाम पर दिया जाने वाला एक पुरस्कार कर्नाटक संगीत के गायक टी एम कृष्णा को प्रदान करने से रोक दिया गया था।

न्यायमूर्ति एस एस सुन्दर और न्यायमूर्ति पी धनबल की खंडपीठ ने संगीत अकादमी द्वारा दायर अपील को स्वीकार

करते हुए यह आदेश पारित किया। अपील में, एकल न्यायाधीश के 19 नवंबर 2024 के आदेश को चुनौती दी गई थी।

सुब्बुलक्ष्मी के पौत्र वी. श्रीनिवासन द्वारा दायर वाद पर आदेश जारी करते हुए न्यायमूर्ति जी. जयचंद्रन ने 19 नवंबर को संगीत अकादमी को गायक कृष्णा को पुरस्कार देने से रोक दिया था। हालांकि, न्यायाधीश ने कहा था कि कृष्णा की उपलब्धि को मान्यता देने के लिए सुब्बुलक्ष्मी के नाम का उपयोग किए बिना पुरस्कार देने पर कोई रोक नहीं है।

वाद में, श्रीनिवासन ने आरोप लगाया था कि चूंकि कृष्णा सोशल मीडिया पर उनकी दादी पर अपमानजनक और निंदनीय हमले करते रहे हैं तथा गायिका की प्रतिष्ठा को धूमिल कर रहे हैं, इसलिए उन्हें ऐसा पुरस्कार नहीं दिया जाना चाहिए।

इससे पहले, संगीत अकादमी ने वर्ष 2024 के लिए कृष्णा को संकिता कलानिधि एम एस सुब्बुलक्ष्मी पुरस्कार प्रदान करने का निर्णय लिया था।

केरल उच्च न्यायालय ने कॉलेज के प्रोफेसर का हाथ काटने के मामले में मुख्य साजिशकर्ता को जमानत दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि। केरल उच्च न्यायालय ने 2010 में एक कॉलेज के प्रोफेसर का हाथ काटे जाने के सनसनीखेज मामले में मुख्य साजिशकर्ता को जमानत दे दी है। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) की एक विशेष अदालत ने पिछले साल मुख्य साजिशकर्ता को दोषी ठहराया था और आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी। न्यायमूर्ति राजा विजयराघवन और न्यायमूर्ति पी. वी. बालकृष्णन की पीठ ने दोषी एम. के. नासर की सजा को स्थगित कर दिया जबकि एनआईए अदालत के फैसले के खिलाफ उसकी अपील उच्च न्यायालय में लंबित है।

एनआईए अदालत ने नासर को इस मामले में मुख्य साजिशकर्ता पाया था। पीठ ने इस बात पर गौर किया कि नासर को दोषसिद्धि से पहले और दोषसिद्धि के बाद नौ साल से अधिक समय तक कारावास में रहना पड़ा और तथ्य यह है कि उसके जैसे ही आरोपों का सामना कर रहे अन्य आरोपियों को पहले कम अवधि के कारावास की सजा दी गई थी और सजा पूरी करने के बाद उन्हें रिहा किया जा चुका है।

पीठ ने कहा, इसके अलावा, सत्र न्यायाधीश के निष्कर्षों के खिलाफ एनआईए द्वारा दायर याचिकाओं पर विचार किया जा रहा है, जिन पर अभी तक सुनवाई नहीं हुई है। इसने कहा, इसमें देरी की भी संभावना है, क्योंकि मुख्य आरोपी ने आत्मसमर्पण कर दिया है और सत्र न्यायाधीश को कानून के अनुसार मुकदमा चलाना और उसका निपटारा करना पड़ सकता है और इस उद्देश्य के लिए कुछ मूल रिकॉर्ड की आवश्यकता हो सकती है। उच्च न्यायालय ने कहा कि इन तथ्यों और परिस्थितियों को देखते हुए, उसकी राय है कि आवेदक (नासर) को दी गई सजा को उसकी अपील पर विचार होने तक स्थगित किया जा सकता है।

उच्च न्यायालय ने एक लाख रुपये की जमानत राशि एवं इतनी ही राशि के दो मुचलकों की शर्त पर जमानत मंजूर की। विशेष एनआईए अदालत ने मामले में दूसरे चरण की सुनवाई में नासर को गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत अपराधों के साथ-साथ हत्या के प्रयास, साजिश और भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) और विस्फोटक पदार्थ अधिनियम के तहत विभिन्न अन्य अपराधों का दोषी पाया था। वह हाथ काटने के मामले में दूसरे चरण की सुनवाई में दोषी ठहराए गए छह व्यक्तियों में शामिल था। सुनवाई के पहले चरण में 10 लोगों को यूएपीए के साथ-साथ विस्फोटक पदार्थ अधिनियम और आईपीसी के तहत दोषी करार दिया गया था। इसके अलावा अदालत ने तीन अन्य को आरोपियों को शरण देने के लिए भी दोषी करार दिया था।

इडुक्की जिले के थोडुपुझा में न्यूमैन कॉलेज के प्रोफेसर टी. जे. जोसेफ का दाहिना हाथ चार जुलाई, 2010 को कथित रूप से पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के सदस्यों ने काट दिया था। यह हमला उस वक्त किया गया था जब वह (प्रोफेसर) अपने परिवार के साथ एर्णाकुलम जिले के मूवाट्टुपुझा स्थित एक गिरजाघर से रविवार की प्रार्थना के बाद घर लौट रहे थे।

'महिलाओं को उनके कपड़ों के आधार पर आंकना महिला विरोधी पूर्वाग्रह दर्शाता है'

कोच्चि। केरल उच्च न्यायालय ने कहा है कि महिलाओं को उनके कपड़ों के आधार पर आंकना या उनसे तलाक मिलने पर दुखी होने की उम्मीद करना महिला विरोधी पूर्वाग्रह और लैंगिक रूढ़िवादी सोच को दिखाता है।

न्यायमूर्ति देवन रामचंद्रन और न्यायमूर्ति एम बी स्नेहलता की पीठ ने यह टिप्पणी एक कुटंब अदालत के आदेश को खारिज करते हुए की, जिसमें एक मां को बच्चों का संरक्षण देने से इनकार कर दिया गया था। अदालत ने कई कारणों से महिला को बच्चों का संरक्षण देने से इनकार किया था कि वह भड़काऊ कपड़े पहनती है, अपने तलाक का जश्न मनाती है और उसका एक डेटिंग ऐप पर अकाउंट है। कुटुंब अदालत के निष्कर्षों और तर्कों से असहमति जताते हुए उच्च न्यायालय ने इसे यह कहते हुए खारिज कर दिया कि अदालत पर किसी भी रूप में स्त्री-द्वेष या लिंगभेद का दोषी होने का संदेह नहीं किया जाना चाहिए और हमारा संवैधानिक दायित्व यह है कि हम मामलों का निर्णय अपने विवेक के अनुसार और अपने अधिकार क्षेत्र के भीतर करें। उच्च न्यायालय ने बच्चों की मां को उनका संरक्षण प्रदान करने के साथ ही बच्चों की इस इच्छा को भी ध्यान में रखा कि वे पूरे समय उसके साथ रहना चाहते हैं और छुट्टियों में अपने पिता से मिलने के लिए तैयार हैं। कुटुंब अदालत के निर्णय को निरस्त करते हुए अपने हालिया आदेश में उच्च न्यायालय ने कहा कि ऐसे मामलों से उसे यह एहसास हुआ है कि समाज में पितृसत्ता और पूर्वाग्रह जड़े जमाए हुए है और ये हमारे विचारों और कार्यों को निर्देशित करते हैं। पीठ ने कहा, दुर्भाग्यवश हम अनजाने में ऐसी प्रथाओं का पालन करना जारी रखते हैं, जिसके लिए निश्चित रूप से निरंतर शिक्षा और गहन आत्मनिरीक्षण की आवश्यकता है।

पीठ ने कहा कि सचेतन या अवचेतन रूप से, समाज महिलाओं की स्वायत्तता पर प्रतिबंध लगाता है और उनकी पसंद को परखता है और उनसे कुछ मानकों का पालन करने की अपेक्षा की जाती है, जिसमें उनके कपड़ों की पसंद भी शामिल है। अदालत ने कहा, ऐसे अलिखित मानदंड अंतत: लिंगभेद को ही बढ़ावा देते हैं और महिलाओं के लिए बाधा उत्पन्न करते हैं, जिसमें नियंत्रण पुरुषों के हाथ में होता है। दुर्भाग्य से, समय के साथ, अलिखित 'ड्रेस कोड' महिलाओं को उनके पूरे जीवन में प्रभावित करते हैं। महिलाओं के कपड़ों का भड़काऊ बताना और नैतिकता का पाठ पढाना, शुरुआती स्कूली दिनों से ही जीवन के लिए सक्रिय बाधाएं बन जाती हैं। पिता को बच्चों का संरक्षण का अधिकार देने के कुटुंब अदालत के कारणों का उल्लेख करते हुए उच्च न्यायालय ने कहा कि निचली अदालत ने मां को भ्रष्ट आचरण का करार दिया था, क्योंकि पति ने आरोप लगाया था कि वह भड़कीले कपड़े पहनती है और उसने डेटिंग ऐप पर अपनी तस्वीरें पोस्ट की थीं।

पीठ ने कहा, हम कुटुंब अदालत के निष्कर्षों को तथ्यात्मक रूप से भी सही नहीं पाते हैं, फिर भी हम यह याद दिलाना जरूरी समझते हैं कि वस्त्र किसी व्यक्ति की पहचान का हिस्सा होने के कारण आत्म अभिव्यक्ति का एक रूप है, या सामान्य सौंदर्यबोध की अभिव्यक्ति है। उच्च न्यायालय ने कहा कि किसी भी सभ्य समाज में किसी महिला को केवल उसके पहनावे के आधार पर आंकना या उसकी शालीनता के आधार पर निष्कर्ष निकालना अक्षम्य और अनुचित है। पीठ ने कहा कि महिला द्वारा चुने गए परिधान उसकी अपनी पसंद के होते हैं, जिस पर खासकर अदालतों द्वारा नैतिकता नहीं थोपी जा सकती या मूल्यांकन नहीं किया जा सकता। पीठ ने कहा कि संविधान बिना लिंग भेद के सभी को समान अधिकार प्रदान करता है और यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि उसे ऐसे समय में ऐसी टिप्पणी करनी पड़ रही है, जब देश अपने संविधान की 75वीं वर्षगांठ मना रहा है।

समृद्ध किसान तो विकसित होगा राजस्थान : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमारा अन्नदाता किसान धरती माता का सच्चा सपूत है। जब किसान खुशहाल समृद्ध होगा तभी विकसित राजस्थान का सपना साकार होगा। हमारी सरकार किसान-पशुपालक के कल्याण के लिए कृतसंकल्पित होकर काम कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के एक साल पूरे होने के उपलक्ष्य में प्रदेश के किसानों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने के लिए हमने आज किसान सम्मेलन आयोजित किया है। उन्होंने किसानों को आश्वासन दिया कि जब भी किसानों के हित की बात आएगी, राज्य सरकार सदैव आपके साथ खड़ी मिलेगी।

मुख्यमंत्री शर्मा राज्य सरकार की पहली वर्षगांठ के उपलक्ष्य पर 'निभाई जिम्मेदारी-हर घर खुशहाली' की थीम पर आयोजित हो रहे कार्यक्रमों के क्रम में शुक्रवार को अजमेर में आयोजित राज्यस्तरीय किसान सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मैं खुद एक किसान परिवार में जन्मा हूं। मैंने हल चलाया है और खेती का सारा काम किया है। मैं किसानों के दर्द को भली भांति समझता हूं। इसीलिए हमारी सरकार ने वर्ष 2027 तक किसानों को दिन में बिजली देने का लक्ष्य तय किया है।

शर्मा ने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए किसानों का हित सबसे पहली प्राथमिकता है। उनके मन में किसानों का भला करने की अद्भुत इच्छाशक्ति और संकल्प है। प्रधानमंत्री ने महान किसान नेता चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न से सम्मानित किया है, जो ये दर्शाता है कि वे किसानों के प्रति कितना सम्मान रखते हैं। शर्मा ने किसानों को किसान दिवस (23 दिसम्बर) की बधाई देते हुए पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी जी ने ही किसान दिवस मनाने की शुरुआत की थी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसान की पीड़ा और आकांक्षाओं को समझते हुए पिछले एक साल में राज्य सरकार ने किसान हित में अनेक फैसले लिए हैं। हमने ईआरसीपी परियोजना का एमओयू कर इस पर तेजी से काम शुरू कर दिया है।

शेखावाटी क्षेत्र में भी पानी की कमी को पूरा करने के लिए ताजेवाला से यमुना का पानी लाने के लिए लंबे समय से लंबित एमओयू पर भी हस्ताक्षर किए हैं। हमारी सरकार अनेक अन्य महत्वपूर्ण सिंचाई परियोजनाओं पर एक साथ काम कर रही है। जिससे राज्य के किसानों की पैदावार बढ़ सके। उन्होंने कहा कि शीघ्र ही धौलपुर लिफ्ट परियोजना का भी शुभारंभ किया जाएगा। साथ ही, भूजल के रीचार्ज के लिए प्रवासी राजस्थानी के सहयोग से भी एक नए कार्यक्रम 'कर्मभूमि से मातृभूमि' की शुरुआत की जा रही है।

शर्मा ने कहा कि राइजिंग समिट के दौरान कृषि क्षेत्र में 58 हजार करोड़ रुपये निवेश के ढाई हजार से अधिक एमओयू किए हैं। हमारी सरकार द्वारा 30 लाख किसानों को 20 हजार करोड़ रुपये का अल्पकालीन फसली ऋण का वितरण, 8 लाख मृदा स्वास्थ्य कार्ड, 26 हजार सोलर संयंत्रों की स्थापना, 31 स्थानों पर फूड पार्क के लिए भूमि आवंटन, 536 मोबाइल पशु चिकित्सा वाहन, गेहूं, मूंग, मूंगफली तथा सरसों की समर्थन मूल्य पर खरीद, पीएम किसान समृद्धि केन्द्र की स्थापना जैसे निर्णय किए गए हैं। जिससे खुशहाल किसान, समृद्ध किसान के संकल्प को पूरा किया जा सकेगा।

उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राइजिंग राजस्थान का सफल आयोजन हुआ है, जिसमें 35 लाख करोड़ रुपये के एमओयू हुए हैं। अजमेर जिले में भी विकास को गति प्रदान करने के लिए 14000 हजार करोड़ रुपये के एमओयू साइन किए गए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार एक-एक कर सभी संकल्पों को पूरा कर रही है। बजट घोषणाएं भी धरातल पर साकार हो रही हैं।

जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत ने कहा कि मुख्यमंत्री के दूरदर्शी विजन और प्रदेश के आमजन एवं किसानों की खुशहाली के लिए किए जा रहे प्रयासों से ईआरसीपी योजना एवं अन्य महत्वपूर्ण जल योजनाएं साकार होने जा रही है।

किसान आयोग अध्यक्ष सी.आर. चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री ने राजस्थान के किसानों का सम्मान बढ़ाते हुए मुख्यमंत्री किसान सम्मान निधि की सौगात दी है। किसानों की पानी और बिजली की जरूरत को पूरा करने के लिए मजबूत फैसले लिए हैं।

देश के युवा 'राष्ट्र प्रथम सदैव प्रथम' के लक्ष्य के साथ राष्ट्र निर्माण में भागीदार बनें : पटेल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कश्मीरी युवाओं को राष्ट्र की मुख्य धारा से जोड़ने और उनकी ऊर्जा को सकारात्मक विकास कार्यों में संलग्न करने के उद्देश्य से गृह मंत्रालय और युवा कार्यक्रम व खेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित 'वतन को जानो' कार्यक्रम का समापन सत्र राजकीय युवा आवास जोधपुर में शुक्रवार को संसदीय कार्य, विधि और विधिक कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ स्वामी विवेकानंद की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित करके किया गया।

पटेल ने कहा कि कश्मीर के युवा अपनी ऊर्जा और प्रतिभा के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में अग्रणी भूमिका निभाएंगे। कश्मीर सहित देश के युवा 'राष्ट्र प्रथम सदैव प्रथम' के लक्ष्य के साथ राष्ट्र निर्माण में भागीदार बनें। उन्होंने कहा विविधता में एकता का केन्द्रीय बिन्दु हमारी भारतीयता है। संसदीय कार्य मंत्री ने यह कार्यक्रम युवाओं के लिए एक सुनहरा अवसर है, जहां वे न केवल भारत के विविध स्वरूप को समझ सकते हैं, बल्कि अपने कौशल को निखारने का अवसर भी प्राप्त कर सकते हैं।

पटेल ने कहा गृह मंत्रालय की पहल 'वतन को जानो' कार्यक्रम युवाओं को भारतीय संस्कृति, विकास योजनाओं और विविधता से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

इस प्रकार के प्रयास कश्मीर के युवाओं को सकारात्मक बदलाव के लिए प्रेरित करेंगे। उन्होंने कहा कश्मीरी युवाओं ने सूर्यनगरी के ऐतिहासिक स्थल मेहरानगढ़,ओसियां के मंदिर समूह सहित सांस्कृतिक महत्व के स्थलों का भ्रमण कर हमारे प्रदेश कला और संस्कृति के समझने का प्रयास किया है। संसदीय कार्य मंत्री ने युवाओं से संवाद कर उनके अनुभव जाने। कश्मीर से आए युवाओं ने एक स्वर में कहा हम राजस्थान और कश्मीर के पर्यटन के लिए एम्बेसडर के रूप में कार्य करेंगे।

इस कार्यक्रम में युवाओं को भारत सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं जैसे स्टार्टअप इंडिया, स्किल इंडिया और डिजिटल इंडिया की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में विशेषज्ञों द्वारा युवाओं को भविष्य की संभावनाओं और अवसरों के संबंध में कैरियर काउंसलिंग की गई। कार्यक्रम में कश्मीर के छः जिलों अनंतनाग, श्रीनगर, कुपवाड़ा, बारामूला, बड़गाम और पुलवामा से चयनित 132 युवाओं ने भाग लिया।

खुले बोरवेल बंद करवाने के लिए अभियान चलाए राजस्थान सरकार : गहलोत

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने खुले बोरवेल में गिरने से होने वाली जनहानि पर चिंता जताते हुए राज्य सरकार से ऐसे बोरवेल को बंद करवाने के लिए अभियान चलाने की मांग की। हाल में दौसा जिले में खुले बोरवेल में गिरे पांच साल के आर्यन की मौत हो गई थी। गहलोत ने इसे दुखद बताया है। गहलोत ने 'एक्स' पर लिखा, दौसा में एक खुले बोरवेल में गिरने से मासूम आर्यन की मृत्यु बेहद दुखद है।

उन्होंने कहा कि खुले बोरवेल में बच्चों के गिरने की घटनाएं लगातार होती रहती हैं। राज्य सरकार द्वारा कई बार इन्हें बंद करने के आदेश जारी किए जाते रहे हैं। इसके बावजूद गांवों में खुले बोरवेल सामान्य तौर पर मिल जाते हैं। इस तरह के बोरवेल के खिलाफ अभियान चलाने का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा, खुले बोरवेल से होने वाली दुर्घटनाओं से बचाव के लिए सरकार एवं जनता मिलकर अभियान चलाएं क्योंकि दूर-दराज के इलाकों में ऐसे बोरवेल की जानकारी प्रशासन को बिना जन सहयोग के नहीं चल सकती है। इसके लिए सरकार जिलावार अधिकारियों की जिम्मेदारी तय करे एवं सर्वे करवाकर खुले बोरवेल बंद करवाने का अभियान चलाए जिससे भविष्य में ऐसी जनहानि ना हो।

राजस्थान में कड़ाके की ठंड, फतेहपुर में पारा शून्य से नीचे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में कड़ाके की ठंड का दौर जारी है और फतेहपुर में पारा शून्य से नीचे पहुंच गया। मौसम विभाग ने यह जानकारी दी। मौसम केंद्र, जयपुर के अनुसार पिछले 24 घंटे में राज्य में एक दो स्थानों पर अत्यंत शीतलहर तथा कहीं कहीं शीतलहर दर्ज की गई। बृहस्पतिवार रात को न्यूनतम तापमान फतेहपुर में शून्य से 0.1 डिग्री सेल्सियस नीचे दर्ज किया गया। इसके अलावा, यह चुरू में 3.1 डिग्री, करौली में 3.6 डिग्री, पिलानी में 4.0 डिग्री, संगरिया में 4.3 डिग्री, सीकर व सिरोही में 5.0 डिग्री, अलवर में 5.8 डिग्री, गंगानगर में 6.4 डिग्री व बीकानेर में 6.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। लगभग पूरे राजस्थान में न्यूनतम तापमान में 10 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट देखी गई। मौसम केंद्र के अनुसार, राज्य में आगामी दिनों में मौसम मुख्यत: शुष्क बने रहने की संभावना है। आगामी दो तीन दिन में राज्य के उत्तरी भागों व शेखावटी इलाके में कुछ स्थानों पर शीतलहर चलने व न्यूनतम तामपान दो से छह डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने का अनुमान है। राजस्थान में आज 8 जिलों में शीतलहर की चेतावनी है। इनमें कोटा झुंझुनू, सीकर, सिरोही, अलवर, नागौर और चुरू गंगानगर शामिल हैं। गुरुवार को भी प्रदेश के 11 जिलों में शीतलहर का असर देखने को मिला था। इनमें इनमें चुरू, गंगानगर, हनुमानगढ़, बीकानेर, सीकर, सिरोही, झुंझुनू में दिन में भी जबरदस्त ठंड का असर देखने को मिला। प्रदेश में न्यूनतम पारा तेजी से नीचे आ रहा है। राज्य में न्यूनतम तापमान 0.1 डिग्री से 10 डिग्री के बीच चल रहा है। सीकर, झुंझुनू, चुरू में पारा जमाव बिंदू के पास पहुंच गया है। बीते 24 घंटों में फतेहपुर में न्यूनतम पारा 0.1 डिग्री रहा।

सीकर में न्यूनतम तापमान 1 डिग्री सेल्सियस, चूरू में 2.2 डिग्री सेल्सियस व झुंझुनू में 2.6 डिग्री सेल्सियस, करौली में 2.2, माउंट आबू में 2.8 डिग्री, सिरोही में 3.7 डिग्री, अलवर में 3 डिग्री, कोटा में 6.8 डिग्री दर्ज किया गया है। मौसम विभाग के ताजा अपडेट के अनुसार अगले एक सप्ताह के दौरान 19 नवंबर तक प्रदेश में न्यूनतम तापमान में 2 से 3 डिग्री तक की कमी आएगी। इसके बाद 20 से 26 नवंबर तक न्यूनतम तापमान सामान्य से 2 डिग्री तक कम रहा सकता है।

एक वर्ष में कोई भी प्रोजेक्ट बजट की वजह से नहीं अटका, विपक्ष का काम है आरोप लगाना : झाबरसिंह खर्रा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पाली। नगरीय विकास एवं स्वायत्त शासन विभाग एवं जिला प्रभारी मंत्री झाबरसिंह खर्रा पाली में मीडिया से रूबरू हुए। पत्रकार वार्ता के दौरान जब सरकार पर विपक्ष के आरोपों पर सवाल किये गए तो उन्होंने कहा कि विपक्ष का काम है आरोप लगाना। उन्होंने कहा कि गत एक वर्ष में प्रदेश में 65 हजार युवाओं को नियुक्ति पत्र दिए गए हैं, और इस वित्तीय वर्ष की समाप्ति तक यह आंकड़ा एक लाख तक पहुंच जाएगा।

खर्रा ने पत्रकार वार्ता के दौरान कहा कि मार्च 2025 तक सरकार द्वारा 1 लाख युवाओं को रोजगार उपलब्ध करवाया जाएगा। कांग्रेस के आरोपों का जवाब देते हुए कहा कि गत एक वर्ष में प्रदेश में एक भी प्रोजेक्ट बजट की वजह से नहीं अटका है, वो समय अलग था जब सिर्फ घोषणाएं तो हो जाती थी पर बजट में उसपर कोई प्रावधान ही नहीं होता था।

खर्रा ने पूर्ववर्ती कांग्रेस पर आरोप लगाते हुए कहा कि उन्होंने केंद्र द्वारा प्रदेश को भेजी गई राशि का हिसाब तक नहीं दिया, जिसके परिणामस्वरूप भारत सरकार से कई योजनाओं के लिए नहीं मिल पाई। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के कार्यों की समीक्षा जारी है।

जयपुर कैंसर अस्पताल में जिस बच्चे को चूहों ने कुतरा, इलाज के दौरान मौत, अस्पताल की लापरवाही उजागर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट (एससीआई), जयपुर में एक 10 वर्षीय ब्लड कैंसर पीड़ित बच्चे की दर्दनाक मौत ने सरकारी अस्पतालों की स्वच्छता और प्रबंधन की गंभीर खामियों को उजागर किया है। अस्पताल में भर्ती इस बच्चे के पैर का अंगूठा चूहों ने कुतर दिया था। शुक्रवार को इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। घटना के मुताबिक 11 दिसंबर को प्रताप नगर स्थित एससीआई के पीडियाट्रिक वार्ड में भर्ती इस बच्चे को चूहों ने रात में सोते समय काटा। परिजनों ने जब बच्चे के दर्द से रोने पर कंबल हटाया, तो उन्होंने देखा कि उसके पैर का अंगूठा चूहों ने कुतर दिया था। पैर से खून बह रहा था, लेकिन नर्सिंग स्टाफ ने सिर्फ पट्टी बांधने तक ही सीमित कार्रवाई की।

यह घटना तब घटी, जब बच्चे को ब्लड कैंसर के इलाज के लिए भर्ती किया गया था। इस हादसे के बाद अस्पताल की सफाई और सुरक्षा व्यवस्थाओं पर गंभीर सवाल खड़े हुए हैं। स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट के अधीक्षक डॉ. संदीप जसूजा ने घटना की पुष्टि की थी। कहा, बच्चे को चूहे के काटने की जानकारी आने के तुरंत बाद उसका इलाज शुरू किया गया। सफाई व्यवस्था में सुधार के प्रयास किए जा रहे हैं। हालांकि, घटना के बाद सामने आए तथ्यों ने प्रबंधन की असफलता और सफाई व्यवस्था की दुर्दशा को उजागर किया है। मरीजों और परिजनों ने बताया कि वार्डों में चूहे, कुत्ते और बिल्लियों का खुलेआम घूमना आम बात है। पिछले पांच दिनों से सफाई व्यवस्था ठप होने के कारण अस्पताल परिसर में गंदगी पसरी हुई है। ठेकेदार द्वारा कर्मचारियों को वेतन न मिलने और नई फर्म को काम सौंपने के बावजूद स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ। एससीआई जैसा प्रतिष्ठित संस्थान, जो राजस्थान का सबसे बड़ा कैंसर अस्पताल है, ऐसी घटनाओं के कारण कटघरे में है। यह घटना इस बात का प्रमाण है कि अस्पतालों में स्वच्छता और सुरक्षा जैसी बुनियादी व्यवस्थाओं की भी अनदेखी की जा रही है।

जयपुर के एससीआई में हुई इस घटना ने सरकारी अस्पतालों की व्यवस्थागत खामियों को उजागर किया है। सफाई और सुरक्षा जैसे बुनियादी मुद्दों पर ध्यान न देना न केवल मरीजों की सुरक्षा के लिए खतरा है, बल्कि स्वास्थ्य सेवाओं की विश्वसनीयता पर भी गंभीर असर डालता है। इस घटना की गहन जांच और जिम्मेदारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की आवश्यकता है।

मुख्यमंत्री के काफिले के वाहन को टक्कर मारने वाली कार के चालक की मौत

जयपुर। जयपुर में बुधवार मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के काफिले में शामिल वाहन को टक्कर मारने वाली टैक्सी के चालक की बृहस्पतिवार को उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। इस हादसे में मरने वालों की संख्या अब दो हो गई है जिनमें से एक यातायात पुलिस का सहायक उपनिरीक्षक है। रामनगरिया के थानाधिकारी अरुण कुमार ने बताया कि हादसे में घायल टैक्सी चालक पवन कुमार की बृहस्पतिवार को उपचार के दौरान मौत हो गई। पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया।

उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री के काफिले में घुसी कार के चालक पवन कुमार के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था। बुधवार को एक टैक्सी द्वारा मुख्यमंत्री शर्मा के काफिले में आगे चल रहे सुरक्षा वाहन को टक्कर मारने से पांच पुलिसकर्मियों सहित सात लोग घायल हो गये थे। बाद में यातायात पुलिस के एक सहायक उपनिरीक्षक (एएसआई) सुरेंद्र सिंह की उपचार के दौरान मौत हो गई थी।

जिला स्तर पर स्कूटी योजना में छात्राएं एवं कृषि योजनाओं से किसान हुए लाभान्वित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्य सरकार के एक वर्ष कार्यकाल पूर्ण होने पर होने वाले विविध कार्यक्रमों के तहत शुक्रवार को जनजाति क्षेत्रीय विकास विभाग मंत्री एवं डूंगरपुर जिला प्रभारी मंत्री बाबूलाल खराड़ी ने जिला विकास प्रदर्शनी एवं पंच गौरव प्रदर्शनी का फीता काटकर शुभारंभ किया। इस अवसर पर गणमान्य अतिथि विधायक सागवाड़ा शंकरलाल डेचा एवं जिला कलक्टर अंकित कुमार सिंह मौजूद रहे। कार्यक्रम का प्रारंभ राज्य स्तरीय कार्यक्रम के वर्चुअल प्रसारण से हुआ जिसमें मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने किसान सम्मान निधि की द्वितीय एवं तृतीय किस्त का डीबीटी हस्तानान्तरण किया तथा अन्य योजनाओं में लाभान्वित करते हुए संवाद किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि किसानों की आकांक्षाओं और आशाओं को जानता हूं, इसलिए हम प्रयासरत हैं कि किसान के पीड़ा दूर था कृषि, पशुपालन उन्नत हो जिससे कृषि की भी उन्नति हो सके, पूरे राजस्थान के अंदर काम किया है और किस तरह पैदावार किस तरह से बढ़ सकती है इस पर भी हम काम कर रहे हैं। इसके पश्चात जिला स्तरीय कार्यक्रम में संबोधित करते हुए टीएडी एवं प्रभारी मंत्री खराडी ने कहा कि राज्य सरकार अपने संकल्पों को पूरा करते हुए युवा, महिला, गरीब मजदूर तथा वंचित वर्गो के उत्थान के लिए कार्य कर रही है।

जिला प्रभारी मंत्री खराड़ी ने जिला स्तरीय कार्यक्रम में शुभारंभ किया। जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में सूचना एवं जनसम्पर्क कार्यालय, डूंगरपुर द्वारा लगाई गई जिले में हुए विकास कार्यों की प्रदर्शनी की सराहना की। उन्होंने विभागवार लगाए गए विकास कार्यों, सफलता की कहानियों का अवलोकन किया। ऑडिटोरियम में आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में जिला प्रभारी मंत्री खराड़ी एवं अतिथियों ने जिला प्रशासन के निर्देशन में सूचना एवं जनसंपर्क विभाग द्वारा प्रकाशित जिला विकास पुस्तिका का विमोचन किया। विकास पुस्तिका में वर्तमान सरकार के एक वर्ष के कार्यकाल के दौरान जिले की विशिष्ट उपलब्धियों, विकास कार्यो, सफलता की कहानियों को संकलित किया गया है।

मुख्यमंत्री द्वारा एक जिला-एक उत्पाद के तहत डूंगरपुर जिले में मार्बल एवं उत्पाद, एक जिला-एक फल के तहत आम, एक जिला-एक खेल के तहत तीरंदाजी, एक जिला-एक प्रजाति के तहत सागवान पंच गौरव की प्रदर्शनी का जिला प्रभारी मंत्री एवं अतिथियों ने अवलोकन किया । इस अवसर पर प्रभारी मंत्री एवं अतिथियों द्वारा तीरंदाजी भी की गई।

शिक्षक व एएसआई भर्ती पेपर लीक प्रकरण में शिक्षक लोकेश गिरफ्तार

दौसा। शिक्षक और एएसआई भर्ती पेपर लीक प्रकरण में एसओजी (स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप) ने शुक्रवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए एक सरकारी शिक्षक लोकेश शर्मा उर्फ लोकेश आर्यन को गिरफ्तार कर लिया। एसओजी की टीम ने महात्मा गांधी राजकीय अंग्रेजी स्कूल, छतरी वाली ढाणी से लोकेश शर्मा को हिरासत में लिया और जयपुर ले गई।

मोदी ने प्रयागराज में संगम तट पर, अक्षय वट वृक्ष स्थल, हनुमान मंदिर में पूजा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

प्रयागराज (उप्र)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शुक्रवार को उत्तर प्रदेश के प्रयागराज पहुंचे और संगम तट पर पूजा अर्चना की। प्रधानमंत्री मोदी ने प्रयागराज की पावन धरती पर त्रिवेणी संगम में पूजा अर्चना कर 13 जनवरी से 26 फरवरी तक आयोजित होने जा रहे महाकुंभ के सफल आयोजन की कामना की। उन्होंने इस अवसर पर गंगा, यमुना और सरस्वती की त्रिवेणी की आरती कर वैश्विक कल्याण का भी संकल्प लिया। तीर्थ पुरोहितों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूरा कार्यक्रम संपन्न कराया गया। इस दौरान मोदी ने त्रिवेणी में अक्षत, चंदन, रोली, पुष्प और वस्त्र भी अर्पित किए।

इससे पूर्व उन्होंने प्रमुख साधु संतों का आशीर्वाद भी लिया। प्रधानमंत्री ने 2025 के महाकुंभ के लिए सुविधाओं में सुधार और शहर के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के उद्देश्य से 5,500 करोड़ रुपए की प्रमुख विकास परियोजनाओं की शुरुआत करने से पहले संगम तट पर पूजा अर्चना की। प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा गंगा, यमुना और सरस्वती नदियों के संगम पर एक औपचारिक पूजा और दर्शन के साथ शुरू हुई। मोदी निषादराज क्रूज पर सवार होकर संगम नोज पर पहुंचे। किला घाट पर फ्लोटिंग जेटी से होते हुए वह क्रूज पर सवार हुए।

मोदी ने क्रूज पर सवार होने के बाद डेक पर खड़े होकर यमुना की लहरों को निहारा। यहां से वह घूम-घूमकर पूरे क्षेत्र का अवलोकन भी करते नजर आए। इसके बाद उन्होंने क्रूज पर नौकाविहार का भी आनंद उठाया। संगम नोज पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने उनका स्वागत किया। इसके बाद उन्होंने साधु संतों से मुलाकात की और उनका आशीर्वाद भी लिया। इस दौरान एक संत ने उन्हें मोतियों की माला भी भेंट की। यहां से प्रधानमंत्री सीधे संगम नोज पर बने पंडाल में पहुंचे। यहां उपस्थित तीर्थ पुरोहितों ने उन्हें आसन ग्रहण कराया। इसके बाद तीर्थ पुरोहितों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के बीच प्रधानमंत्री मोदी ने पूजा अर्चना की। तीर्थ पुरोहितों ने उनसे आचमन भी कराया। उन्होंने खड़े होकर त्रिवेणी का जलाभिषेक और दुग्धाभिषेक किया। प्रधानमंत्री, राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने अक्षत, चंदन, रोली और पुष्पमाला के साथ ही त्रिवेणी में वस्त्र भी अर्पित किया। इसके बाद प्रधानमंत्री ने संगम आरती भी की।

इस ऐतिहासिक कार्यक्रम के दौरान उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक और मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह भी मौजूद रहे। पूजा से पहले मोदी ने नदी में नौका विहार का आनंद लिया। पूजा के अवसर पर प्रधानमंत्री के साथ उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहे। प्रत्येक 12 साल में आयोजित होने वाला महाकुंभ अगले वर्ष प्रयागराज में 13 जनवरी (पौष पूर्णिमा) से 26 फरवरी (महा शिवरात्रि) तक आयोजित किया जाएगा। प्रधानमंत्री ने अक्षय वट वृक्ष स्थल पर पूजा की। प्रधानमंत्री उसके बाद हनुमान मंदिर गए। उन्होंने वहां और फिर सरस्वती कूप में दर्शन और पूजा की। इसके बाद उन्होंने महाकुंभ प्रदर्शनी स्थल का भ्रमण किया और वहां मौजूद अधिकारियों से उसके बारे में जानकारी ली। 'राम नाम बैंक' के संयोजक प्रयागराज के आशुतोष वार्ष्णेय के अनुसार, महाकुंभ मेला अनुष्ठानों का एक भव्य आयोजन है। त्रिवेणी संगम पर लाखों तीर्थयात्री इस पवित्र अनुष्ठान में भाग लेने के लिए एकत्रित होते हैं।

ऐसी मान्यता है कि पवित्र जल में डुबकी लगाने से व्यक्ति अपने सभी पापों से मुक्त हो जाता है, खुद को और अपने पूर्वजों को पुनर्जन्म के चक्र से मुक्त कर अंततः मोक्ष या आध्यात्मिक मुक्ति प्राप्त कर सकता है। वार्ष्णेय ने कहा कि स्नान अनुष्ठान के अलावा, तीर्थयात्री पवित्र नदी के तट पर पूजा भी करते हैं और विभिन्न साधुओं और संतों के नेतृत्व में ज्ञानवर्धक प्रवचनों में सक्रिय रूप से भाग लेते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी की प्रेरणा से साकार हो रहा दिव्य, भव्य व डिजिटल महाकुंभ का सपना : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

प्रयागराज/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आना और मां गंगा-यमुना एवं सरस्वती की त्रिवेणी में पूजा-अनुष्ठान करना प्रयागराज में आयोजित होने वाले महाकुंभ-2025 की दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण है।

यह महाकुंभ संपूर्ण सनातन धर्मावलंबियों, देश व दुनिया के भीतर भारत के प्रति अनुराग रखने वाले सभी श्रद्धालुओं के लिए अत्यंत महत्व रखता है।

योगी आदित्यनाथने कहा कि हजारों करोड़ रुपए की परियोजनाओं का लोकार्पण प्रधानमंत्री मोदी द्वारा किया जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी की प्रेरणा से कुंभ-2019 का सफल आयोजन हुआ था और अब महाकुंभ-2025 के सफल आयोजन के लिए मिल रहे मार्गदर्शन के लिए हम सभी उनके प्रति कृतज्ञ हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के विजन की प्रशंसा करते हुए उनके नेतृत्व में किए गए प्रयासों और सनातन धर्मावलंबियों के हितों की रक्षा के साथ ही कुंभ को लेकर स्थापित किए गए उच्च प्रतिमानों की पूर्ति को लेकर आभार भी जताया।

मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने अपने संबोधन में कहा कि पहली बार 2019 के प्रयागराज कुंभ में प्रधानमंत्री मोदी की प्रेरणा, मार्गदर्शन व आदेश पर सैंकड़ों वर्षों के बाद श्रद्धालुओं को अक्षय वट के दर्शन हुए थे। इस बार प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में अक्षयवट कॉरिडोर का भी उद्घाटन होने जा रहा है। उन्होंने कहा कि बड़े हनुमान जी जिनका अभिषेक करने के लिए मां गंगा प्रतिवर्ष आती हैं, उस बड़े हनुमान मंदिर के कॉरिडोर का लोकार्पण भी आज प्रधानमंत्री मोदी के कर-कमलों द्वारा होने जा रहा है।

योगी ने कहा कि सरस्वती कूप, जिसमें अदृष्य रूप में मां सरस्वती वास करती हैं और संगम पर गंगा-यमुना के साथ ही उनका संगम होता है, पहली बार 2019 के कुंभ में ही श्रद्धालुओं को इस पवित्र सरस्वती कूप के दर्शन सुलभ हुए थे। सरस्वती कूप का यही भव्य रूप अब सरस्वती कॉरिडोर के रूप में लोकार्पण के जरिए सबके समक्ष होगा और सर्व सुलभ होगा।

भगवान श्रीराम जब वनवास के लिए निकले थे तो सबसे पहले उन्होंने मैत्री का हाथ शृंगवेरपुर में निषादराज के समक्ष बढ़ाया था।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री की प्रेरणा से यहां भगवान राम और निषादराज की 56 फुट ऊंची प्रतिमा व कॉरिडोर का लोकार्पण भी होने जा रहा है।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रयागराज शहर, आसपास के जनपदों और दुनिया के सबसे बड़े अस्थायी शहर के तौर पर साकार हो रहा महाकुंभनगर भी उनकी ही प्रेरणा का द्योतक है।

प्रयागराज महाकुंभ-2025 के शुभारंभ की दृष्टि से हजारों करोड़ रुपए की परियोजनाओं का शुभारंभ हो रहा है।

झांसी में एनआईए टीम पर हमला करने के आरोप में 111 लोगों के खिलाफ मुकदमा

झांसी (उप्र)/भाषा। झांसी में राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) द्वारा पूछताछ के वास्ते हिरासत में लिए गये एक मुफ्ती को एनआईए टीम पर हमला कर जबरन छुड़ाने के आरोप में शुक्रवार को 11 नामजद और 100 अज्ञात लोगों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। झांसी के अपर पुलिस अधीक्षक (नगर) ज्ञानेंद्र सिंह ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि एनआईए की एक टीम ने बृहस्पतिवार को विदेशी वित्तपोषण के एक मामले में पूछताछ के लिए मुफ्ती खालिद को उसके घर पर छापा मारकर हिरासत में लिया था। इसकी सूचना मिलने पर मोहल्ले के लोगों की भीड़ ने एनआईए की टीम से धक्का-मुक्की की और खालिद को छुड़ाकर अपने साथ ले गयी।

मणिपुर : जबरन वसूली के आरोप में चुराचांदपुर में चार हथियारबंद लोग गिरफ्तार

चुराचांदपुर/भाषा। मणिपुर के चुराचांदपुर जिले में जबरन वसूली के आरोप में चार हथियारबंद लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि जिला पुलिस और असम राइफल्स ने संयुक्त अभियान के तहत बृहस्पतिवार की रात सोंगपी गांव के निकट से ये गिरफ्तारियां कीं। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार किये गये लोग स्थानीय लोगों से जबरन धन वसूली का प्रयास कर रहे थे। पुलिस ने बताया कि आरोपियों की पहचान तुइबोंग गांव के डौजैथांग (42), माटा गांव के कम्मिनलियन (34), मुख्यालय वेंग के माल्सोम (20) और एस तोलजांग गांव के थांगसियाम हाओकिप (27) के रूप में हुई है।

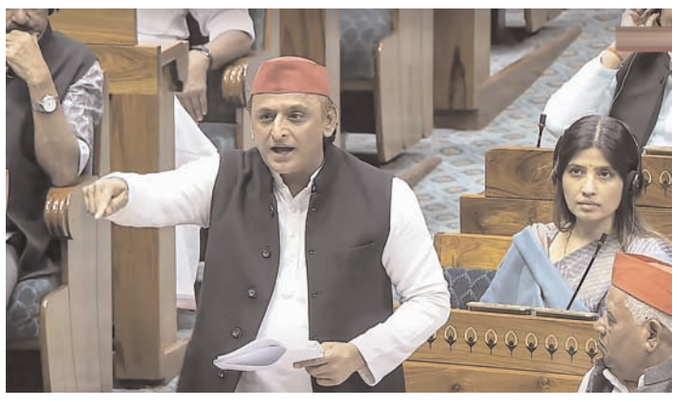

मुसलमानों को दूसरे दर्जे का नागरिक बनाने का प्रयास हो रहा है: अखिलेश यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शुक्रवार को सरकार पर संविधान के धर्मनिरपेक्ष मूल्यों का हनन करने का आरोप लगाया और दावा किया कि देश के अल्पसंख्यकों विशेषकर मुसलमानों को दूसरे दर्जे का नागरिक बनाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने लोकसभा में 'भारत के संविधान की 75 वर्षों की गौरवशाली यात्रा' पर चर्चा में भाग लेते हुए यह भी कहा कि यदि यह सरकार जाति जनगणना नहीं कराती है तो विपक्ष में बैठे लोग सत्ता में आए तो इसे जरूर कराएंगे।

यादव ने कहा कि संविधान कहता है कि सरकार की नजर में सभी समान हैं। उन्होंने दावा किया, ''देश के अल्पसंख्यकों और विशेषकर मुसलमानों को दूसरे दर्जे का नागरिक बनाने का प्रयास हो रहा है, उन पर हमला किया जा रहा है, संपत्ति को नुकसान पहुंचाया जा रहा है।''

यादव ने कहा, ''अब तो उपासना करने पर भी दिक्कत है क्योंकि हर मस्जिद के नीचे मंदिर खोजने वाले तत्व इस देश को शांति से रहने देना ही नहीं चाहते। उन्हें कानून की कोई परवाह नहीं है। मैं उच्चतम न्यायालय का धन्यवाद करना चाहता हूं कि कम से कम एक फैसला आया जिससे इन पर कुछ दिनों के लिए रोक लगाई गई है।'' सपा नेता ने दावा किया कि उत्तर प्रदेश में कई जगहों पर इस तरह की घटनाएं जानबूझकर की गईं और विधानसभा उपचुनाव के समय लोगों को मतदान से रोका गया। उन्होंने संविधान पर चर्चा के दौरान सदन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गैरमौजूदगी को लेकर कटाक्ष किया, ''यह कैसी चर्चा है संविधान की, जो है बिना प्रधान की।''

ओडिशा में सड़क दुर्घटना में बाल-बाल बचीं दुती चंद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। धावक दुती चंद कटक में ओएमपी स्क्वायर के निकट हुई सड़क दुर्घटना में बाल-बाल बच गईं। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि दुर्घटना बृहस्पतिवार शाम को हुई जब दुती एक मित्र के साथ अपने पैतृक जिले जाजपुर से भुवनेश्वर लौट रही थीं, इस दौरान एक ट्रक ने उनकी महंगी कार को टक्कर मार दी, जिसके चलते वह क्षतिग्रस्त हो गई।

दुती ने दुर्घटना स्थल से भाग रहे ट्रक चालक को रोका। इसके बाद उन्होंने मधुपटना पुलिस से संपर्क किया, जिसने घटनास्थल पर पहुंचकर ट्रक चालक को हिरासत में ले लिया।

दुती ने कहा, जब उन्होंने ट्रक चालक को रोकने का प्रयास किया तो उसने भद्दी भाषा इस्तेमाल की।

पुलिस ने कहा कि धावक दुती चंद और मित्र सुरक्षित हैं।

विरोध-प्रदर्शन का गांधीवादी तरीका अपनाएं किसान : उच्चतम न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल को तत्काल चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने का निर्देश देते हुए शुक्रवार को कहा कि प्रदर्शनकारी किसानों को विरोध का गांधीवादी तरीका अपनाना चाहिए। पंजाब-हरियाणा सीमा पर एक पखवाड़े से अधिक समय से अनिश्चितकालीन अनशन पर बैठे डल्लेवाल की तबीयत बिगड़ रही है।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत एवं न्यायमूर्ति उज्ज्ल भुइयां की पीठ ने केंद्र और पंजाब सरकार के प्रतिनिधियों को डल्लेवाल से तुरंत मुलाकात करने का निर्देश दिया, जो 17 दिन से अधिक समय से अनशन पर हैं। पीठ को जब बताया गया कि हिंसक आंदोलन के कारण दोनों जगहों पर समस्याएं उत्पन्न हुई हैं, तो पीठ ने कहा, ''किसानों को हिंसक नहीं होना चाहिए और शांतिपूर्ण आंदोलन करना चाहिए। उन्हें विरोध प्रदर्शन का गांधीवादी तरीका अपनाना चाहिए क्योंकि उनकी शिकायतों पर विचार किया जा रहा है।''

पीठ ने कहा, ''पंजाब और केंद्र सरकार का यह कर्तव्य है कि वे सभी शांतिपूर्ण उपाय करें और डल्लेवाल को अनशन तोड़ने के लिए मजबूर किए बिना उन्हें तत्काल पर्याप्त चिकित्सा सहायता प्रदान करें, जब तक कि उनकी जान बचाने के लिए ऐसा करना आवश्यक न हो।'' शीर्ष अदालत ने कहा कि शंभू और खनौरी सीमाओं पर आंदोलनकारी किसानों को हिंसक नहीं होना चाहिए और राजमार्ग यातायात को बाधित नहीं करना चाहिए। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि उसके द्वारा गठित एक उच्चस्तरीय समिति, जिसके बारे में कहा गया है कि वह अच्छा काम कर रही है, प्रदर्शनकारी किसानों से बात करेगी और अदालत को सिफारिशें देगी, जिन्हें अंततः निर्णय के लिए हितधारकों के समक्ष रखा जाएगा। पीठ ने कहा, ''हमें ऐसा कोई आदेश पारित नहीं करना चाहिए, जिसे लागू करना बहुत मुश्किल हो। अंतत: हितधारकों को ही निर्णय लेना होगा।''

पीठ ने कहा कि प्रदर्शनकारी किसान अस्थायी रूप से अपना धरना स्थल बदल सकते हैं और राजमार्गों को खाली कर सकते हैं या शायद अस्थायी रूप से आंदोलन को स्थगित भी कर सकते हैं, ताकि समिति हितधारकों द्वारा उचित विचार-विमर्श के बाद अपनी सिफारिशें दे सके।

'एक राष्ट्र एक चुनाव' कानून अच्छी मंशा से लाए जाने पर ही फायदेमंद: प्रशांत किशोर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने कहा कि ''एक राष्ट्र एक चुनाव'' देश के लिए फायदेमंद हो सकता है, बशर्ते कि यह कदम अच्छे इरादों से उठाया जाए। उन्होंने कुछ कानूनों का उदाहरण देते हुए कहा, ''कानून आतंकवाद पर अंकुश लगाने के लिए बनाए गए, लेकिन उनका इस्तेमाल खास समुदाय को निशाना बनाने के लिए किया गया।'' किशोर लोकसभा और राज्य विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने संबंधी विधेयकों को केंद्रीय मंत्रिमंडल की बृहस्पतिवार को मिली मंजूरी के बारे में पत्रकारों के सवालों का जवाब दे रहे थे। इन विधेयकों को अब शीघ्र ही संसद में पेश किए जाने की संभावना है। चुनावी रणनीतिकार रह चुके किशोर ने कहा, ''मैं कई चुनावों में शामिल रहा हूं। मैंने देखा है कि हर साल देश का एक बड़ा हिस्सा राष्ट्रीय या राज्य स्तर के किसी न किसी चुनाव में शामिल रहता है।''

बुमराह की गेंदबाजी में कई दिग्गज तेज गेंदबाजों का मिश्रण: ग्रेग चैपल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सिडनी/भाषा। भारत के पूर्व कोच ग्रेग चैपल का मानना है कि जसप्रीत बुमराह में डेनिस लिली, एंडी रॉबर्ट्स और रिचर्ड हैडली जैसे तेज गेंदबाज के गुण मौजूद हैं लेकिन वह अपनी खुद की ऐसी विरासत तैयार कर रहे हैं जो तेज गेंदबाजों की भावी पीढ़ियों को प्रेरित करेगी। उन्होंने कहा कि बुमराह 'बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी' और ऑस्ट्रेलिया के बीच खड़े एकमात्र खिलाड़ी हैं।

चैपल ने 'सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड' में लिखा, '' बुमराह का कौशल का संयोजन उन्हें अलग कतार में खड़ा करता है। उनके पास (मैल्कम) मार्शल की परिस्थितियों से सामंजस्य बैठाने की क्षमता, लिली की आक्रामकता, रिचर्ड हैडली का नियंत्रण, रॉबर्ट्स की रणनीति, वसीम (अकरम) और वकार (यूनिस) की रिवर्स स्विंग, (ग्लेन) मैक्ग्रा की सटीकता, (डेल) स्टेन की विस्फोटकता , और (कैगिसो) रबाडा की आधुनिक बहुमुखी प्रतिभा का मिश्रण है।'' उन्होंने कहा, '' जैसा की नासिर हुसैन ने कहा, 'वह एक पूर्ण गेंदबाज है'। उसकी पीठ की सर्जरी हुई है और यह पता नहीं है कि उसका करियर कितना लंबा चलेगा लेकिन अगर उसने इसी तरह से गेंदबाजी जारी रखी तो उसका नाम भी इन चैम्पियन गेंदबाजों की तरह लिया जायेगा।''

बुमराह ने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर पांच मैचों की शृंखला के शुरुआती टेस्ट में मौजूदा दौर के सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज की अपनी साख को मजबूत करते हुए भारत को 295 रन से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। उन्होंने इस मैच में टीम की कप्तानी भी की थी। उन्होंने कहा, '' गुजरे जमाने के दिग्गजों ने नींव स्थापित की तो वहीं बुमराह अपनी खुद की विरासत बना रहा है। एक ऐसी विरासत जो तेज गेंदबाजों की भावी पीढ़ियों को प्रेरित करने का माद्दा रखती है''

सुविचार

जिंदगी सुधरने का मौका हर किसी को नहीं देती, कभी ऐसा मौका मिले तो छोड़ना मत।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सोशल मीडिया: आत्मप्रचार से दूरी बनाएं

उच्चतम न्यायालय द्वारा की गई यह टिप्पणी कि 'न्यायाधीशों को सोशल मीडिया के उपयोग से बचना चाहिए', वर्तमान में अत्यंत प्रासंगिक है। इसे व्यापक सन्दर्भ में भी देखना चाहिए। आज कई सरकारी अधिकारी सोशल मीडिया पर प्रोफाइल बनाकर खुद का प्रचार करने में लगे हैं। वे अपनेआप को किसी सेलिब्रिटी की तरह पेश करते हैं। फेसबुक, वॉट्सऐप और यूट्यूब जैसे प्लेटफॉर्म पर उनके वीडियो खूब वायरल होते रहते हैं। जब कोई अधिकारी वीडियो बनाने में इतना व्यस्त रहेगा तो काम कब करेगा? पिछले दिनों सोशल मीडिया पर सरकारी अधिकारियों द्वारा अपने-अपने समुदायों के आधार पर ग्रुप बनाने का मामला चर्चा में रहा था। अगर अधिकारी सोशल मीडिया पर आकर ऐसा व्यवहार करेंगे तो जनता में क्या संदेश जाएगा? सरकारी अधिकारियों को सार्वजनिक जीवन में सादगी और अनुशासन का प्रदर्शन करना चाहिए। उन्हें ऐसे किसी भी कार्य से बचना चाहिए, जिनकी वजह से उनकी आलोचना हो। हालांकि कुछ अधिकारी सोशल मीडिया का बहुत अच्छा उपयोग कर रहे हैं। उन अधिकारियों द्वारा किए जा रहे ऐसे प्रयोगों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। उदाहरण के लिए, एक अधिकारी अपने वीडियो में जनता को जागरूक करते हुए सरकार की विभिन्न योजनाओं के बारे में बताते हैं। यातायात पुलिस के एक अधिकारी आम लोगों को यातायात संबंधी नियमों का पालन करना सिखाते हैं। उनके वीडियो से लोगों को बहुत अच्छी बातें सीखने को मिलती हैं। इसी तरह साइबर मामलों से जुड़े एक पुलिस अधिकारी सोशल मीडिया के जरिए लोगों को साइबर ठगी से बचने के तरीके बताते हैं।

बैंक, रेलवे, चिकित्सा समेत विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े कई अधिकारी सोशल मीडिया पर जानकारी देकर जनता को जागरूक कर रहे हैं। इस तरह सोशल मीडिया के उपयोग को पूरी तरह से प्रतिबंधित नहीं किया जा सकता। यह एक लोकप्रिय माध्यम है। अगर सरकार यहां कोई जानकारी प्रस्तुत करेगी तो उसे ज्यादा लोगों तक पहुंचा सकेगी। इसलिए सोशल मीडिया के लिए कुछ अधिकारियों को अधिकृत करना चाहिए। अधिकारी सिर्फ अपने प्रचार में लगे रहें, इसकी अनुमति नहीं मिलनी चाहिए। कोरोना काल के बाद यूट्यूब पर ऐसे वीडियो की बाढ़ आ गई है, जिनमें किसी सरकारी अधिकारी को 'महानायक' की तरह दिखाया जाता है। ऐसे वीडियो वे खुद बनाते हैं या किसी से बनवाते हैं, यह जांच का विषय हो सकता है। कुछ कोचिंग संस्थानों ने भी इस चलन का भरपूर लाभ उठाया है। किसी व्यक्ति को सरकारी ओहदा इसलिए मिलता है, ताकि वह सरकारी नीतियों को लागू करते हुए अपना कर्तव्य निभाए। उसका उद्देश्य जनसेवा होना चाहिए। कई पुलिसकर्मी रील बनाकर शेयर करने के मामले में निलंबित हो चुके हैं। वे उनमें या तो फिल्मी डायलॉग बोलते नजर आए या किसी धुन पर थिरकते दिखे। वर्दी में इस तरह के कृत्य किसी अधिकारी की लापरवाही और अगंभीर रवैए को दिखाते हैं। इस बात से इन्कार नहीं किया जा सकता कि जनता से जुड़ाव जरूरी है। लोगों तक सही जानकारी पहुंचाने के लिए प्रभावी माध्यम का होना भी बहुत जरूरी है। इसके साथ यह सुनिश्चित करना चाहिए कि इस जिम्मेदारी के लिए सिर्फ अधिकृत व्यक्ति बात रखे। किसी सरकारी योजना का लाभ कैसे प्राप्त करें, बैंक में किस काम के लिए कौनसा फॉर्म कैसे भरें, आधार कार्ड से जुड़े काम कैसे करवाएं, पासपोर्ट कैसे बनवाएं, रेलवे से संबंधित जानकारी कैसे पाएं, डाकघर की कौनसी बचत योजना किसके लिए ज्यादा लाभदायक है ... जैसे सवालों की सूची बहुत लंबी है। अगर संबंधित विभागों के कुछ अधिकारी सोशल मीडिया पर आसान भाषा में जानकारी देंगे तो करोड़ों लोग लाभान्वित होंगे। इसके लिए जरूरी है कि सोशल मीडिया पर मर्यादा का पालन किया जाए।

ट्वीटर टॉक

निम्बाहेड़ा में राजमाता साहब स्व. श्रीमती विजयाराजे सिंधिया उद्यान में भाजपा परिवार के साथ उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। अम्मा महाराज का भाजपा को संगठित करने में योगदान, जनता के प्रति समर्पण और कार्यकर्ताओं के प्रति प्रेम आज भी हमें प्रेरणा देता है।

-वसुंधरा राजे

किसानों के समग्र विकास हेतु पूर्णतः संकल्पित हमारी सरकार का एक वर्ष का सफल कार्यकाल पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आज कायड़, अजमेर में आयोजित किसान सम्मेलन में सहभागिता कर उपस्थित जनों को संबोधित किया।

-भजनलाल शर्मा

अक्षय वट उस अमर चेतना का प्रतीक है, जो हजारों वर्षों से ज्ञान, विज्ञान एवं अध्यात्म के रूप में भारत में प्रवाहित हो रही है। भगवान वेणी माधव से प्रार्थना है कि अमृतकाल में अक्षयवट की अमर चेतना अमृत भारत के निर्माण के लिए अक्षय ऊर्जा का स्रोत बने।

-नरेन्द्र मोदी

प्रेरक प्रसंग

गांधी का मार्ग

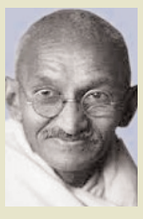

अमेरिका के गांधीवादी मार्टिन लूथर किंग 'नोबेल शांति पुरस्कार' प्राप्त करने के बाद भारत यात्रा पर आए। राष्ट्रपति भवन में उनके अभिनंदन समारोह में मिस्र के राष्ट्रपति कर्नल नासिर तथा ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ भी उपस्थित थी। एक विदेशी पत्रकार ने समारोह के बाद मार्टिन लूथर से पूछा, 'आपको शांति प्रयासों के लिए विश्व का सर्वोच्च पुरस्कार दिया गया है। आपका भारत व गांधी जी के प्रति अति लगाव कैसे हुआ? विश्व में शांति स्थापित करने के लिए आपका क्या सुझाव है?' अमेरिकी गांधी ने उत्तर दिया, 'मैंने अपने देश के अति भौतिकवादी माहौल के दुष्परिणामों को देखने के बाद गीता तथा भारतीय दर्शन का अध्ययन किया। मैंने अनुभव किया कि भारतीय दर्शन ही मानवतावाद, सेवा व शांति की प्रेरणा देने में सक्षम है। गांधी जी के बताए सत्य-अहिंसा के मार्ग से ही विश्व में शांति स्थापित हो सकती है। मैंने इस प्रयोग को कसौटी पर कसा और सही पाया।'

सामयिक

सुखबीर बादल पर हमला गंभीर घटना

अवधेश कुमार

मोबाइल -9811027208

गिरफ्तार हमलावर का नाम नारायण सिंह चौड़ा है जिसे बब्बर खालसा इंटरनेशनल का आतंकवादी कहा जा रहा है। वह डेरा बाबा नानक का रहने वाला है। नारायण सिंह चौड़ा पर आतंक और अपराध के अनेक आरोप हैं। अभी तक की जानकारी के अनुसार उस पर पाकिस्तान से भारी संख्या में हथियार लाने सहित करीब 30 मामले दर्ज हैं। वह तीन बार जेल जा चुका है और कुल 3,139 दिनों तक उसके जेल में रहने का रिकॉर्ड है।

पंजाब के अमृतसर में श्री हरमंदिर साहिब में शिरोमणि अकाली दल (शिअद) के अध्यक्ष और पंजाब के पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखबीर बादल पर हमला किसी दृष्टि से छोटी घटना नहीं है। यह संयोग कहिए या सुखबीर बादल की अभी आयु बची है अन्यथा हमलावर ने गोली चला ही दिया था। सुरक्षाकर्मियों ने उसे त्वरित गति से नियंत्रण में लिया और हाथ ऊपर उठा दिया वरना जितने निकट से उसने गोली चलाई थी सीधे सुखवीर बादल की छाती या सिर में घुस जाती। उसके बाद क्या होता इसकी केवल कल्पना की जा सकती है। गोली शक्तिशाली थी इसका प्रमाण दीवार में हुए निशान से मिल जाता है। गोली प्रवेश द्वार के दीवार पर लगी। कह सकते हैं कि न केवल पंजाब बल्कि देश एक बड़ी हत्या, अनहोनी और हिंसा के खतरे से बच गया। लेकिन इस घटना ने फिर उन आशंकाओं की पुष्टि कर दी कि पंजाब में हिंसा और उथल-पुथल पैदा करने के षड्यंत्र जारी हैं तथा उनके लिए व्यक्ति भी तैयार हैं। सुखबीर बादल को अन्य अकाली नेताओं के साथ श्रीअकाल तख्त साहिब की तरफ से 11 दिन की सेवा की धार्मिक सजा सुनाई गई है। वे मुख्य प्रवेश द्वार पर बरछा लेकर व्हीलचेयर पर बैठे थे। उनकी सजा का दूसरा दिन था। इस समय सुखबीर बादल का पैर क्षतिग्रस्त है जिस कारण वह कुर्सी पर बैठकर सेवा कर रहे हैं। इस तरह की अनपेक्षित घटना हो और उस पर राजनीतिक बयान न आए ऐसा कैसे हो सकता है। विरोधी पंजाब सरकार की सुरक्षा व्यवस्था पर प्रश्न उठा रहे हैं जबकि भगवंत मान सिंह सरकार का तर्क है कि अगर व्यापक सुरक्षा इंतजाम नहीं होता तो न हमलावर पकड़ा जाता न उनकी जान बचती।

हम इस बहस में नहीं पड़ें कि सुरक्षा के सशक्त प्रबंध थे या नहीं। यह संभव नहीं कि पूर्व उपमुख्यमंत्री और इतना बड़ा नेता सेवा कर रहा हो और प्रशासन ने सुरक्षा इंतजाम नहीं किया। बताया जा रहा है कि सादे वर्दी में काफी संख्या में पुलिस वाले वहां तैनात हैं। बावजूद यदि हमलावर 9 एम एम का ग्लोक रिवाल्वर लेकर इतना निकट पहुंच गया तो इसकी जांच होनी चाहिए कि ऐसा क्यों हुआ? उसने लगभग 10 फीट की निकट दूरी से ही डब से पिस्तौल निकाल कर गोली चलाई। ध्यान रखिए, घटना के कुछ मिनट बाद ही एक प्रवासी भारतीय को भी अवैध पिस्तौल के साथ पकड़ा गया। वहां के पुलिस का बयान है कि श्रीहरमंदिर साहिब की मर्यादा को देखते हुए हर व्यक्ति की तलाशी नहीं ले सकते। क्या यही सच है? इसका फैसला हम पंजाब के लोगों विशेषकर सिख समुदाय , स्वर्ण मंदिर के शीर्ष प्रबंधकों तथा शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी पर छोड़ते हैं। वैसे यह दुर्भाग्य है कि कुछ नेताओं ने यही आरोप लगा दिया कि सुखबीर ने सहानुभूति लेने के लिए हमला कराया। वहां के पुलिस कमिश्नर गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने कहा है कि हम इस पहलू से भी जांच कर रहे हैं। हमले के तरीके और स्थिति को देखते हुए सामान्य व्यक्ति भी नहीं सोच सकता कि इसके पीछे सुखबीर बादल या स्वयं अकाली दल का ही कोई षड्यंत्र होगा। लेकिन राजनीति जो न कराये।

इसके दूसरे पहलुओं पर चर्चा करें। गिरफ्तार हमलावर का नाम नारायण सिंह चौड़ा है जिसे बब्बर खालसा इंटरनेशनल का आतंकवादी कहा जा रहा है। वह डेरा बाबा नानक का रहने वाला है। नारायण सिंह चौड़ा पर आतंक और अपराध के अनेक आरोप हैं। अभी तक की जानकारी के अनुसार उस पर पाकिस्तान से भारी संख्या में हथियार लाने सहित करीब 30 मामले दर्ज हैं। वह तीन बार जेल जा चुका है और कुल 3,139 दिनों तक उसके जेल में रहने का रिकॉर्ड है। उसे 28 फरवरी 2013 को दो अन्य के साथ गिरफ्तार किया गया था। उसके कुराली स्थित ठिकाने से काफी संख्या में हथियार और गोला बारूद बरामद हुए थे। वह बब्बर खालसा इंटरनेशनल के आतंकवादियों जगतार सिंह हवारा, परमजीत सिंह भ्योरा , जगतार सिंह तारा व देवी सिंह को 2004 में चंडीगढ़ की बुरैल जेल से भागने में मदद की थी। ध्यान रखिए कि ये सब पूर्व मुख्यमंत्री बेअंत सिंह के हत्यारे हैं जो जेल में सुरंग खोदकर फरार हो गए थे। हालांकि इस मामले में वह बरी किया जा चुका है। उस पर 8 मई ,2010 को परमजीत सिंह पंचवाड़ के ड्राइवर रहे रतनदीप सिंह के साथ अमृतसर में सर्किट हाउस के पास एक कार में आरडीएक्स रखकर धमाका करने की साजिश का भी आरोप लगा था। इसके अलावा तरण तारण, गुरदासपुर सहित अन्य जिलों में भी उस पर गैर कानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम यानी यूपीए सहित गंभीर धाराओं में मामले दर्ज हैं। अंतिम बार वह 2022 में जमानत पर बाहर आया। चार दशक पहले उसके पाकिस्तान जाकर प्रशिक्षण लेने की भी बात सामने आई है। वहां उसने खालिस्तान नेशनल आर्मी का गठन किया था। वास्तव में आतंकवाद के शुरुआती चरण के दौरान पंजाब में हथियारों और विस्फोटकों की बड़ी खेप की तस्करी में वह शामिल रहा। पाकिस्तान में रहते हुए उसने गुरिल्ला युद्ध और देशद्रोही साहित्य पर किताब भी लिखी। सुखबीर बादल पर हमले के बाद केंद्रीय रेल राज्य मंत्री नवनीत सिंह बिट्टू का बयान है कि नारायण चौड़ा ने 2009 में उन पर भी हमला किया था। उनके अनुसार वह गाड़ी में आरडीएक्स लेकर घूमता था। रवनीत सिंह बिट्टू लगातार यह विषय उठा रहे हैं कि ऐसे आतंकवादियों को जेल से रिहा करना खतरनाक है। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने मामले में विशेष जांच दल यानी एसआईटी गठित कर दिया है जिसमें अमृतसर पुलिस कमिश्नर के साथ 5 वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं। आप सोचिए, अगर इस तरह का खतरनाक व्यक्ति पंजाब में सरेआम घूम रहा है तो इसे किस रूप में देखा जाए? वह धर्म पर व्याख्यान देता है, पुस्तक के अलावा लेख, कविताएं लिखता है। उसमें क्या बातें होती होगी इसकी आसानी से कल्पना की जा सकती है।

अगर वह पूरे बादल परिवार को पंथ का गद्दार मानता है तो इसमें आश्चर्य की कोई बात नहीं। वह सरेआम बोलता रहा है कि उपमुख्यमंत्री के रूप में सुखबीर बादल ,उसके पिता मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल पंथ के विरुद्ध काम करते रहे हैं। इस तरह की आतंकी सोच रखने वालों के लिए हर वह व्यक्ति पंथ का गद्दार होगा जो उसकी खालिस्तान संघर्ष की योजना का साथ न दे। उसने टीवी चैनल पर भी बादल परिवार को धमकी दिया था। सूचना यह है कि केंद्र सरकार भी इस संबंध में पुलिस को सचेत कर चुकी थी। पुलिस ने जब उसके गांव चौड़ा में छापेमारी की तो उसकी पत्नी जसमीत कौर ने बयान दिया कि वह पहले आतंकवादी गतिविधियों में शामिल था परंतु जेल में सजा भुगतने के बाद सुधर गया था।

उसकी मानसिकता देखिए कि पुलिस ने जब उसे पकड़ा तो हंस रहा था। वास्तव में चौड़ा अकेले नहीं है जो इस समय पंजाब में सरेआम घूमते हुए हिंसक वातावरण निर्माण कर रहा है। अपने भाषणों में ऐसे लोग सरेआम हिंसा और सिख कौम को लेकर भड़काने वाली बातें करते हैं। हमने पंजाब के शहरों में खालिस्तान समर्थकों को सरेआम झंडा लेकर सड़कों पर प्रदर्शन करते देखा है। अमृतपाल सिंह का मामला सामने है। उसे किस तरह तैयार करके भारत भेजा गया यह भी सामने आ चुका है। वह सारेआम पूरे पंजाब में भारत विरोधी और आग लगने वाला बयान देता था, सभाये करता था, उसका जगह-जगह स्वागत होता रहा और उसने देखते-देखते पूरे पंजाब में अपना ए बड़ा समूह खड़ा कर लिया। वह नशा छुड़ाने के नाम पर युवाओं को पकड़ता, उनको पीटता और उसके साथ उन्हें सिख कौम के नाम पर उसकी खालिस्तान दृष्टि से काम करने के लिए भी तैयार करता था। केंद्र सरकार के गंभीर होने के बाद उसकी गिरफ्तारी में कितनी समस्याएं आईं यह भी सामने है। जरनैल सिंह भिंडरावाले के गांव के गुरुद्वारे में जाकर भाषण दिया और उसके बाद उसकी गिरफ्तारी हुई। पिछले कुछ वर्षों में बेअदबी की घटनाओं के आरोप लगाकर गुरुद्वारों तक में हिंसा और हत्याएं हुईं। पुलिस ने पूरे प्रदेश से हिंसा की आग में झोंकने वाले हथियारों के भंडार बरामद किए हैं, आतंकवादी गिरफ्तार हुए हैं। विदेश में दृष्टि दौड़ाएं तो अलगाववादी हिंसक तत्वों की गतिविधियां बता रही हैं कि नए सिरे से पंजाब में उथल-पुथल पैदा करने के षड्यंत्र जारी हैं। कनाडा सरकार ने तो वहां मारे गए आतंकवादी के पक्ष में भारत को कठघरे में खड़ा किया। हालांकि ऐसे लोग मुट्ठी भर से ज्यादा नहीं है इसलिए ये सफल होंगे ऐसा नहीं माना जा सकता। किंतु जिस प्रदेश ने आतंकवाद का इतना बड़ा दौर देखा, %2 हजार के आसपास लोगों की जानें गई वहां सुखबीर बादल पर हमला बताता है शासन की ओर से किस तरह की सख्ती और सतर्कता की आवश्यकता है। हालांकि एक दूसरा पहलू है कि इन दिनों पूरे विश्व में भारत विरोधी आतंकवादियों की हत्यायें हो रही हैं। इस कारण भी इनके अंदर खलबली है। कुल मिलाकर भगवंत मान सरकार सुखबीर बादल पर हमले के पीछे की सोच और पंजाब के अलावा सीमा पर पाकिस्तान तथा अन्य देशों में हो रहे खालिस्तानी तत्वों की गतिविधियों को दृष्टि में रखते हुए केंद्र के साथ मिलकर ऐसे कदम उठाए ताकि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

नजरिया

गुकेश- शह और मात का नया शहंशाह

डॉ. आर.के. सिन्हा

सारा भारत आज के दिन डी. गुकेश के विश्व शतरंज चैंपियन बनने से गौरवान्वित महसूस कर रहा है। गुकेश ने एक नया इतिहास रच दिया है। वे सबसे कम उम्र के विश्व शतरंज चैंपियन बन गए हैं। उन्होंने अपने अद्भुत प्रदर्शन से पूरे भारत का मान बढ़ाया है। उनकी इतनी शानदार सफलता में उनकी असाधारण प्रतिभा, समर्पण और रणनीतिक दृष्टिकोण अहम रहे। गुकेश ने बहुत कम उम्र में शतरंज खेलना शुरू कर दिया था, जिससे उन्हें खेल की बारीकियों को समझने और अपनी प्रतिभा को विकसित करने का पर्याप्त समय मिला। उनमें जन्मजात प्रतिभा है और उनकी ग्रहण करने की क्षमता बहुत तेज है, जिससे वे जटिल शतरंज रणनीतियों को आसानी से समझ पाते हैं। उन्होंने शतरंज के प्रति पूर्ण समर्पण दिखाया है और लगातार अभ्यास करके अपनी क्षमताओं को निखारा है। गुकेश को अनुभवी और कुशल प्रशिक्षकों का मार्गदर्शन मिला, जिन्होंने उनकी खेल तकनीकों को सुधारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण और संसाधनों तक पहुंच मिली, जिससे उन्हें विश्व स्तर के खिलाड़ियों के साथ प्रतिस्पर्धा करने में मदद मिली। गुकेश के प्रशिक्षण में आधुनिक तकनीकी उपकरणों का उपयोग शामिल था, जिससे उनकी खेल रणनीति का विश्लेषण करना और सुधार करना आसान हो गया।

रणनीतिक गहराई:

गुकेश के पास शतरंज में गहरी रणनीतिक सोच है, जो उन्हें खेल के दौरान तत्काल सही निर्णय लेने में मदद करती है। वे दबाव की स्थितियों में भी शांत और संयमित रहते हैं, जिससे वे महत्वपूर्ण मुकाबलों में बेहतर प्रदर्शन कर पाते हैं। उनमें मानसिक रूप से मजबूत होने की क्षमता है, जिससे वे हार से निराश नहीं होते और आगे बढ़ने के लिए प्रेरित रहते हैं।

गुकेश नियमित रूप से शतरंज का अभ्यास करते हैं और अपनी कमजोरियों को दूर करने पर ध्यान केंद्रित करते हैं। वे अपने पिछले मैचों का विश्लेषण करते हैं और अपनी गलतियों से सीखते हैं, जिससे उनकी खेल रणनीति में लगातार सुधार होता रहता है। वे शतरंज के महान खिलाड़ियों के खेलों का लगातार गम्भीरतापूर्वक अध्ययन करते रहते हैं और उनसे नई तकनीकों को सीखते हैं। गुकेश ने विभिन्न अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लिया है, जिससे उन्हें उच्च स्तर के खिलाड़ियों के साथ प्रतिस्पर्धा करने का अनुभव मिला है।

उन्होंने अलग-अलग शैली के खिलाड़ियों का सामना किया है, जिससे उनकी खेल में विविधता आई है और उन्हें विभिन्न स्थितियों के लिए तैयार किया गया है। गुकेश को अपने परिवार से भरपूर समर्थन और प्रेरणा मिली है, जो उनकी सफलता में एक महत्वपूर्ण कारक है। उनके परिवार ने उनके संघर्षों के दौरान उनका भावनात्मक रूप से समर्थन किया और उन्हें हमेशा आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। इन सभी कारणों के संयोजन ने गुकेश को विश्व शतरंज चैंपियन बनने में मदद की है। उनकी सफलता न केवल उनकी व्यक्तिगत प्रतिभा और मेहनत का परिणाम है, बल्कि यह भारत में शतरंज के विकास और प्रोत्साहन का भी प्रतीक है।

इस बीच, कुछ जानकार गुकेश और पूर्व विश्व शतरंज चैंपियन विश्वनाथन आनंद की तुलना भी रहे कर रहे हैं। गुकेश और विश्वनाथन आनंद, दोनों ही भारतीय शतरंज के महान खिलाड़ी हैं, लेकिन उनकी शैलियों, दृष्टिकोण और खेल में कुछ समानताएं और कुछ मौलिक अंतर भी हैं। दोनों ही खिलाड़ियों में शतरंज की असाधारण प्रतिभा है। वे जटिल स्थितियों को समझने और सटीक चाल चलने में माहिर हैं। दोनों ही खिलाड़ी अपनी रणनीतिक गहराई के लिए जाने जाते हैं। वे न केवल तात्कालिक लाभ पर ध्यान देते हैं, बल्कि लंबी अवधि की योजनाओं को भी ध्यान में रखते हैं। दोनों ही खिलाड़ियों में दृढ़ संकल्प है और वे कभी भी हार नहीं मानते हैं। उन्होंने कई बार मुश्किल परिस्थितियों से वापसी की है और जीत हासिल की है। दोनों ही खिलाड़ी अपनी शालीनता और खेल भावना के लिए जाने जाते हैं। वे हारने पर भी सम्मान बनाए रखते हैं। विश्वनाथन आनंद एक अनुभवी खिलाड़ी हैं जो 90 के दशक से खेल रहे हैं, जबकि गुकेश एक युवा और उभरते हुए खिलाड़ी हैं। आनंद ने कंप्यूटर युग से पहले शतरंज खेला, जबकि गुकेश का विकास कंप्यूटर के युग में हुआ है।

आनंद अपनी तेज और आक्रामक शैली के लिए जाने जाते हैं, जबकि गुकेश एक अधिक रणनीतिक और रक्षात्मक खिलाड़ी हैं। आनंद त्वरित चालों और जटिलताओं में माहिर हैं, जबकि गुकेश स्थिति को नियंत्रित करने और धैर्यपूर्वक आगे बढ़ने पर ध्यान केंद्रित करते हैं। जाहिर है, आनंद के पास खेल का अधिक अनुभव है और उन्होंने कई विश्व चैंपियनशिप जीती हैं, जबकि गुकेश अभी भी अपने करियर के शुरुआती चरण में हैं। आनंद ने दशकों तक शीर्ष स्तर पर खेला है, जबकि गुकेश अभी भी वैश्विक शतरंज समुदाय में अपनी जगह बना रहे हैं।

आनंद एक अधिक सहज और रचनात्मक खिलाड़ी हैं, जबकि गुकेश अधिक व्यवस्थित और वैज्ञानिक खिलाड़ी हैं। आनंद स्वाभाविक रूप से प्रेरित होकर खेलते हैं, जबकि गुकेश अपनी तैयारी पर अधिक ध्यान केंद्रित करते हैं। भारत में शतरंज पहले से ही काफी लोकप्रिय है, लेकिन गुकेश जैसे युवा खिलाड़ियों के उदय से यह और भी लोकप्रिय हो सकता है।गुकेश जैसे युवा खिलाड़ियों की सफलता से युवा पीढ़ी को शतरंज में रुचि लेने की प्रेरणा मिलेगी। युवाओं के लिए एक आदर्श मॉडल होने से अधिक युवा शतरंज खेलने के लिए आकर्षित होंगे।

ऑनलाइन शतरंज प्लेटफॉर्म और कंप्यूटर विश्लेषण उपकरणों की उपलब्धता से खेल अधिक सुलभ हो गया है। इंटरनेट के माध्यम से सीखने और खेलने के विकल्पों ने शतरंज को अधिक सुविधाजनक बना दिया है। शतरंज को अब पहले से अधिक मीडिया कवरेज मिल रहा है, जिससे खेल के बारे में जागरूकता बढ़ रही है। प्रमुख समाचार चैनलों और खेल वेबसाइटों पर शतरंज की घटनाओं को कवर किया जा रहा है। शतरंज को अब स्कूलों में एक शैक्षणिक उपकरण के रूप में मान्यता दी जा रही है, जिससे बच्चों को खेल के लाभों का अनुभव करने का अवसर मिल रहा है। स्कूलों में शतरंज को बढ़ावा देने से आने वाली पीढ़ी के लिए इसे और लोकप्रिय बनाया जा सकता है। शतरंज में प्रायोजन में वृद्धि से खेल को और अधिक लोकप्रिय बनाने में मदद मिलेगी। प्रायोजकों द्वारा वित्तीय सहायता प्रदान करने से खिलाड़ियों को अपनी क्षमताओं को विकसित करने और प्रदर्शन में सुधार करने में मदद मिलेगी। गुकेश का विश्व चैंपियन बनना भारत में शतरंज को और लोकप्रिय बनाने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इससे युवा खिलाड़ियों को प्रेरित किया जाएगा और शतरंज में करियर बनाने के लिए एक नया रास्ता खुलेगा।

(लेखक पूर्व सांसद हैं)

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

भाजपा के 'एक हैं तो सेफ हैं' नारे पर उद्धव का तंज, कहा-भारत और बांग्लादेश में मंदिर सुरक्षित नहीं

मुंबई/भाषा

शिवसेना (उबाठा) के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने शुक्रवार को हिंदुत्व के मुद्दे पर भाजपा को घेरने की कोशिश करते हुए कहा कि केंद्र सरकार को संसद को बताना चाहिए कि बांग्लादेश में हिंसक हमलों का सामना कर रहे अल्पसंख्यक हिंदुओं की सुरक्षा के लिए वह (सरकार) क्या कदम उठा रही है।

मुंबई में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए ठाकरे ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की आलोचना करते हुए कहा कि उसका हिंदुत्व केवल वोट (जुटाने) के लिए है। पूर्व मुख्यमंत्री ने दादर स्टेशन के बाहर हनुमान मंदिर को गिराने के लिए रेलवे द्वारा जारी नोटिस का उल्लेख करते हुए कहा कि 80 साल पुराने मंदिर को गिराने के लिए 'फतवा' जारी किया गया है।

पिछले महीने विधानसभा चुनाव के प्रचार के दौरान भाजपा द्वारा जमकर इस्तेमाल किये गये नारे एक हैं तो सेफ हैं को लेकर तंज कसते हुए उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय पार्टी के शासन में मंदिर भी सुरक्षित नहीं हैं। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले ने पलटवार करते हुए कहा कि जिन लोगों ने सत्ता के लिए हिंदुत्व को त्यागकर कांग्रेस से गठबंधन कर लिया, वे अब हिंदुओं की सुरक्षा की बात कर रहे हैं। ठाकरे के हिंदुत्व को फर्जी करार देते हुए बावनकुले ने कहा कि मुख्यमंत्री के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान (अप्रैल 2020 में) पालघर जिले में भीड़ ने दो साधुओं की हत्या कर दी थी और पूरे राज्य ने उनके हिंदुत्व विरोधी रुख को देखा था।

संवाददाताओं से बातचीत के दौरान ठाकरे ने कहा कि पांच अगस्त को तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना को पद से हटाए जाने के बाद बांग्लादेश में मंदिरों को नष्ट किया जा रहा है और हिंदुओं व अन्य अल्पसंख्यक समूहों को हिंसक हमलों का सामना करना पड़ा है। ठाकरे ने पूछा, बांग्लादेश में हिंसक विरोध प्रदर्शनों के बीच भागकर आई शेख हसीना भारत में सुरक्षित हैं, लेकिन पड़ोसी देश में हिंदुओं का क्या? शिवसेना (उबाठा) नेता ने कहा, प्रधानमंत्री (नरेन्द्र) मोदी को संसद को बताना चाहिए कि बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा के लिए भारत क्या कदम उठा रहा है। महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में ठाकरे की पार्टी को बुरी तरह हार का सामना करना पड़ा है। उन्होंने कहा कि भाजपा उनकी पार्टी पर हिंदुत्व छोड़ने का आरोप लगाती है, लेकिन भारत के साथ-साथ बांग्लादेश में भी मंदिर सुरक्षित नहीं हैं। उन्होंने कहा, केंद्र को बताना चाहिए कि (बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले रोकने के लिए) क्या कदम उठाए जा रहे हैं। उन्हें (सरकार को) संसद में सभी चर्चाओं को एक तरफ रखकर इस मुद्दे (हिंदुओं पर हमले) पर बहस करनी चाहिए। मौजूदा समय में संसद का शीतकालीन सत्र चल रहा है।

नई दिल्ली में 18वीं लोकसभा के शीतकालीन सत्र के दौरान संसद भवन में टीएमसी सांसद जाती सुष्मिता देव और सागरिका घोष।

भारत को पनडुब्बी निर्माण का केंद्र बनाने की योजना: जर्मन रक्षा कंपनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय नौसेना को छह डीजल-विद्युत स्टील्थ पनडुब्बियों की आपूर्ति के लिए पांच अरब यूरो के सौदे की उम्मीद कर रही जर्मनी की प्रमुख रक्षा कंपनी थिसेनक्रुप मरीन सिस्टम्स (टीकेएमएस) ने शुक्रवार को कहा कि उसकी योजना नौसैनिक 'प्लेटफॉर्मों' की बढ़ती मांग के मद्देनजर भारत को पनडुब्बियों और युद्धपोतों के निर्माण के लिए एक वैश्विक केंद्र बनाने की है।

टीकेएमएस के मुख्य कार्यकारी अधिकारी ओलिवर बर्कहार्ड ने कहा कि यदि उनकी कंपनी वृहद सौदे को पाने में सफल रही तो यह भारत के साथ दीर्घकालिक साझेदारी की शुरुआत हो सकती है, क्योंकि जर्मनी में दोनों प्रमुख राजनीतिक दल समग्र द्विपक्षीय रक्षा संबंधों को प्रगाढ़ बनाने के समर्थक हैं। 'पीटीआई वीडियो' को दिए एक विशेष साक्षात्कार में बर्कहार्ड ने कहा कि भू-राजनीतिक तनाव और संघर्ष के कारण नौसैनिक प्लेटफार्मों की मांग में उल्लेखनीय वृद्धि होगी और भारत पनडुब्बियों व युद्धपोतों के निर्माण के लिए एक केंद्र के रूप में उभरने की अच्छी स्थिति में है।

जर्मन जहाज निर्माता कंपनी ने भारत की सरकारी कंपनी मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल) के साथ मिलकर 44,000 करोड़ रुपए (5 अरब यूरो) के पनडुब्बी सौदे के लिए संयुक्त रूप से बोली लगाई है, जिसे हाल के वर्षों में 'मेक इन इंडिया' की सबसे बड़ी परियोजनाओं में से एक बताया जा रहा है।

टीकेएमएस-एमडीएल का मुकाबला स्पेन की रक्षा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी नवांतिया और लार्सन एंड टूब्रो लिमिटेड से है। रक्षा मंत्रालय प्रोजेक्ट 75 इंडिया (पी75-आई) के विजेता को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया में है।

बर्कहार्ड ने पीटीआई वीडियो से कहा, यह केवल इस अनुबंध के बारे में नहीं है। इससे (अनुबंध) परे, मुझे लगता है कि भारत पनडुब्बी उत्पादन का केंद्र बन सकता है। यह भी (हमारी) योजना का हिस्सा है।

टीकेएमएस के सीईओ ने कहा कि उनकी कंपनी आवश्यक तकनीक भारत के साथ साझा करने और भारत के पनडुब्बी और युद्धपोत निर्माण के हब के तौर पर उभरने में मदद करने के लिए तैयार है। बर्कहार्ड ने कहा कि भारत में पनडुब्बियों का निर्माण एक आकर्षक प्रस्ताव होगा, क्योंकि किसी भी अन्य यूरोपीय देश की तुलना में इनकी कीमत कम होगी। उन्होंने सुझाव दिया कि क्षेत्र में चीन की बढ़ती आक्रामकता के मद्देनजर हिंद-प्रशांत क्षेत्र में शांति और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए भारत और जर्मनी के बीच गहन सहयोग महत्वपूर्ण है। बर्कहार्ड ने यहां तक कहा कि यदि भारत के पास टीकेएमएस-एमडीएल द्वारा निर्मित पनडुब्बियां होगी तो देश की सुरक्षा में बहुत वृद्धि होगी।

पूजा

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और झामुमो विधायक कल्पना मुर्मू सोरेन शुक्रवार को झारखंड के देवघर में बाबा बैद्यनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना करते हुए।

उद्घाटन

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव अभिनेता रणदीप हुड्डा के साथ शुक्रवार को रायसेन जिले में राज्य सरकार के एक वर्ष पूरे होने के अवसर पर 'रातापानी टाइगर रिजर्व' के उद्घाटन के दौरान बाइक चलाते हुए।

उम्मीद है कि बांग्लादेश अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के लिए कदम उठाएगा: विदेश मंत्री

नई दिल्ली/भाषा

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने शुक्रवार को लोकसभा में कहा कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के साथ हो रहे व्यवहार को लेकर भारत चिंतित है और उम्मीद करता है कि ढाका अपने खुद के हित में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के लिए कदम उठाएगा। उन्होंने प्रश्नकाल के दौरान पूरक प्रश्नों के उत्तर देते हुए यह भी कहा कि भारत, पाकिस्तान के साथ 'आतंकवाद मुक्त' संबंध चाहता है और ऐसे में ''गेंद इस्लामाबाद के पाले में है''।

हैदराबाद से लोकसभा सदस्य असदुद्दीन ओवैसी ने सवाल किया कि बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय की सुरक्षा के लिए सरकार क्या कदम उठा रही है?

इस पर विदेश मंत्री ने कहा, ''बांग्लादेश की यह स्थिति चिंता का विषय है। अल्पसंख्यकों पर हमले की कई घटनाएं हुई हैं। हमें उम्मीद है कि बांग्लादेश खुद के हित में ऐसे कदम उठाएगा कि अल्पसंख्यक सुरक्षित रहें।'' जयशंकर का कहना था कि बांग्लादेश के साथ विकास परियोजनाओं का अच्छा इतिहास है और उम्मीद है कि वहां नए प्रशासन के आने के बाद परस्पर सम्मान और लाभ वाला संबंध होगा। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद नवीन जिंदल द्वारा पाकिस्तान के साथ संबंधों में सुधार से जुड़ा पूरक प्रश्न पूछे जाने पर कहा, ''हम अच्छा रिश्ता चाहते हैं, लेकिन हम आतंकवाद से मुक्त संबंध चाहते हैं। यह पाकिस्तानी पक्ष को दिखाना है कि वे अतीत के व्यवहार को बदल रहे हैं...अब गेंद पाकिस्तान के पाले में है।'' विदेश मंत्री ने कहा कि दोनों देशों के बीच व्यापार में बाधा पाकिस्तान सरकार के 2019 के फैसले के कारण हुई है।

नेपाली नोट पर छपे मानचित्र में कुछ भारतीय क्षेत्रों को नेपाल का बताए जाने संबंधी ओवैसी के सवाल पर जयशंकर ने कहा कि नेपाल के साथ सीमा मामले पर भारत सरकार का रुख स्पष्ट है तथा यदि कोई समझता है कि कुछ ऐसा करने से भारत का रुख बदल जाएगा, तो यह नहीं होगा।

हिंदी सिनेमा में जारी मंथन फिल्म निर्माताओं को अलग तरह से सोचने पर मजबूर कर रहा : मनोज बाजपेयी

नई दिल्ली/भाषा

अभिनेता मनोज बाजपेयी ने कहा है कि हिंदी सिनेमा ठहराव के दौर से गुजर रहा है लेकिन उम्मीद है कि इस दौरान जारी मंथन से कुछ बेहतर निकलेगा, क्योंकि रचनात्मक लोग हमेशा कोई न कोई रास्ता खोज लेते हैं। ऐसे वर्ष में जब बॉक्स ऑफिस पर एक बार फिर 'कल्कि 2898 एडी' और 'पुष्पा 2: द रूल' जैसी दक्षिण भारतीय ब्लॉकबस्टर फिल्मों का दबदबा दिखाई दे रहा है, तब 'स्त्री 2', 'भूल भुलैया 3' और 'सिंघम अगेन' ने बॉलीवुड को कुछ उम्मीद दी है। यह पूछे जाने पर कि क्या हिंदी सिनेमा ''संकट'' में है, बाजपेयी ने कहा कि ऐसा नहीं है।

बाजपेयी ने 'प्रेस ट्रस्ट ऑफ इंडिया' के मुख्यालय के दौरे के दौरान समाचार एजेंसी को दिए गए साक्षात्कार में कहा, ''लेकिन यह निश्चित रूप से फिल्म निर्माताओं को अलग तरह से सोचने पर मजबूर कर रहा है। और इसमें कुछ भी गलत नहीं है। मुझे लगता है कि यह एक ठहराव का दौर है, मंथन हो रहा है।

मुझे उम्मीद है कि यह जल्द ही अपने स्वाभाविक स्वरूप में वापस आ जाएगा।'' बाजपेयी ने कहा कि बॉक्स ऑफिस पर 800 करोड़ रुपए से अधिक की कमाई करने वाली हॉरर कॉमेडी 'स्त्री 2' ने ''उल्लेखनीय'' कारोबार किया। उन्होंने कहा, ''इसका मतलब है कि लोग सिनेमाघरों में जाने के लिए इच्छुक हैं, लेकिन वे कुछ और चाहते हैं। इस 'कुछ और' के मद्देनजर फिल्म निर्माता को वास्तव में कुछ नया करना होगा और इसके बारे में गंभीरता से सोचना होगा... मेरी फिल्म इन दिनों ओटीटी पर आती हैं तथा उन्हें बड़ी संख्या में दर्शक भी मिलते हैं।'' बाजपेयी ने कहा, ''पिछले साल, मेरी फिल्म 'सिर्फ एक बंदा काफी है' ने ओटीटी पर ऐतिहासिक 'व्यूज' बटोरे थे। अगर हम इसे रुपए (बॉक्स ऑफिस कलेक्शन) में बदलें, तो इसे 'ऑल टाइम ब्लॉकबस्टर' कहा जाएगा। यही बात 'गुलमोहर' के लिए भी लागू होती है।'' राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता ने कहा कि बड़े पैमाने पर दर्शक हमेशा एक नायक चाहते हैं और जब महामारी के दौरान सिनेमाघर बंद हो गए तो लोगों को हिंदी सिनेमा से वह मिलना बंद हो गया, लेकिन दक्षिण में 'सिंगल स्क्रीन' फल-फूल रहे हैं। उन्होंने कहा, ''हम हमेशा अपनी फिल्मों के लिए नायक की तलाश करते हैं। बदलते समय में लोगों को नायक मिलना बंद हो गया, क्योंकि वहां बहुत सारे 'मल्टीप्लेक्स' हैं। दक्षिण ने 'मल्टीप्लेक्स' को कभी पनपने नहीं दिया और एकता बनाए रखी। वे जानते थे कि उनका सिनेमा बड़े पैमाने पर दर्शकों के जरिए ही टिकेगा।' अभिनेता की आगामी फिल्म 'डिस्पैच' का प्रीमियर शुक्रवार को जी5 पर होने वाला है।

गूगल पर सबसे अधिक सर्च की जानेवाली फिल्म बनीं 'स्त्री-2'

मुंबई/एजेन्सी

राजकुमार राव और श्रद्धा कपूर की जोड़ी वाली ब्लॉकबस्टर फिल्म स्त्री 2 , वर्ष 2024 में गूगल पर सबसे अधिक सर्च की जानेवाली फिल्म बन गयी है। गूगल ने अपनी लिस्ट जारी की है जिसमें सबसे ज्यादा सर्च की जाने वाली फिल्म में स्त्री 2 ने बाजी मार ली है। इस फिल्म को लोगों ने गूगल पर सबसे ज्यादा सर्च किया है। बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त सफलता के बाद, निर्माता दिनेश विजान की फिल्म स्त्री 2 ने अपना सर्वोच्च स्थान बरकरार रखा है। फिल्म की अपार लोकप्रियता और भी पुख्ता हो गई है क्योंकि यह आईएमडीबी की 2024 की सबसे लोकप्रिय भारतीय फिल्मों की सूची में दूसरे स्थान पर है। अमर कौशिक निर्देशित, फिल्म स्त्री 2 ने हास्य और हॉरर के अपने अनूठे मिश्रण के लिए प्रशंसा बटोरी है। इस फिल्म में श्रद्धा कपूर, राजकुमार राव, पंकज त्रिपाठी, अभिषेक बनर्जी और अपारशक्ति खुराना जैसे कलाकारों ने बेहतरीन अभिनय किया है।

रामायण' के लिए शाकाहारी बनने की अफवाहों का साई पल्लवी ने किया खंडन

मुंबई/एजेन्सी

साउथ फिल्म इंडस्ट्री की खूबसूरत और मुखर अभिनेत्री साई पल्लवी ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा कर 'रामायण' के लिए शाकाहारी बनने की अफवाहों का खंडन किया। अभिनेत्री ने अफवाहों को 'मनगढ़ंत' करार देते हुए कानूनी कार्रवाई की भी चेतावनी दी। अफवाहों को लेकर गुस्से में आईं अभिनेत्री साई पल्लवी ने आधिकारिक एक्स हैंडल पर अपनी एक तस्वीर के साथ कैप्शन में लिखा, अधिकांश समय, लगभग हर बार, जब भी मैं निराधार अफवाहों या मनगढ़ंत झूठ, गलत बयानों को मकसद या बेमकसद फैलते देखती हूं (भगवान जाने) तो मैं चुप रहना ज्यादा पसंद करती हूं और ऐसे मौकों पर कुछ नहीं बोलती।

मैं खास तौर पर फिल्मों की रिलीज, घोषणा या मेरे करियर के यादगार पलों के समय किसी तरह की अफवाहों पर आमतौर पर चुप ही रहती हूं। (ऐसा हर बार नहीं होगा) अगली बार जब मैं किसी

पेज, मीडिया या व्यक्ति को समाचार या गपशप के नाम पर कोई मनगढ़ंत घटिया कहानी चलाते हुए देखूंगी तो उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करूंगी।

कानूनी कार्रवाई करूंगी! बस! साउथ फिल्म इंडस्ट्री की सफल अभिनेत्री साई पल्लवी जल्द ही नितेश तिवारी के निर्देशन में तैयार 'रामायण' में माता सीता की भूमिका में नजर आएंगी।

'रामायण' में माता सीता की भूमिका निभा रहीं साई पल्लवी के साथ रणबीर कपूर राम की भूमिका में तो 'केजीएफ' स्टार यश लंकापति रावण की भूमिका में और लारा दत्ता कैकेयी की और सनी देओल वीर हनुमान की भूमिका में नजर आएंगे।

साई पल्लवी अक्सर सुर्खियों में बनी रहती हैं। हाल ही में अभिनेत्री का एक पुराना वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें अभिनेत्री भारतीय सेना को लेकर विवादित बयान देती नजर आई थीं। वायरल वीडियो में अभिनेत्री कहते नजर आई थीं, 'पाकिस्तान में लोग सोचते हैं हमारी सेना एक आतंकवादी समूह है, लेकिन हमारे लिए उनकी सेना ऐसी है। इसलिए, नजरिया बदल जाता है। मैं हिंसा को समझ नहीं पाती हूं।

वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की सबसे कम उम्र की जासूस बनना मेरे सपनों से परे : शर्वरी

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री शर्वरी का कहना है कि वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की सबसे कम उम्र की जासूस बनना उनके सपनों से परे है। 2024 शर्वरी के लिए गेम-चेंजर साबित हुआ है। उन्होंने खुद को बॉलीवुड की नई 'इट-गर्ल' के रूप में मजबूती से स्थापित किया है। 100 करोड़ की ब्लॉकबस्टर 'मुंजा', ग्लोबल स्ट्रीमिंग हिट 'महाराज', और एक्शन-थ्रिलर 'वेदा' के बाद, अब शर्वरी अपने करियर की सबसे बड़ी फिल्म वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की 'अल्फा' के लिए तैयार हैं। वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की सबसे कम उम्र की जासूस बनने को लेकर शर्वरी बेहद उत्साहित हैं।

शर्वरी ने कहा, सच कहूं तो मुझे इस बात का एहसास भी हाल ही में हुआ, जब मैं मुंजा के 100 करोड़ की सफलता पर इंटरव्यू दे रही थी और किसी ने मुझे इस बारे में बताया। वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की सबसे कम उम्र की जासूस बनना मेरे सपनों से परे है।यह एक बड़ी ज़िम्मेदारी और बेहतरीन मौका है। मैं हमेशा से इन सुपरहिट फिल्मों और उनमें नजर आने वाले जबरदस्त सुपरस्टार्स की फैन रही हूं। इस विरासत का हिस्सा बनना मेरे लिए बेहद खास है। वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की 100% हिट दर है, और मुझे उम्मीद है कि अल्फा इस सिलसिले को आगे बढ़ाते हुए दर्शकों को ऐसा अनुभव देगी जिसे वे कभी नहीं भूल पाएंगे। मैं आदी सर की आभारी हूं कि उन्होंने मुझ पर भरोसा किया। साथ ही अपने निर्देशक शिव रवैल की भी आभारी हूं, जिन्होंने महसूस किया कि मैं उनके विजन को साकार कर सकती हूं। फिल्म 'अल्फा', जिसे 'द रेलवे मेन' फेम शिव रवैल निर्देशित कर रहे हैं, 25 दिसंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

फिल्म 'बहू का मायका' की शूटिंग शुरू

मुंबई/एजेन्सी

वर्ल्डवाइड रिकार्ड्स के एमडी और फिल्म निर्माता रत्नाकर कुमार की फिल्म 'बहू का मायका, की शूटिंग शुरू कर दी गयी है। फिल्म बहू का मायका का निर्माण वर्ल्डवाइड रिकार्ड्स लिमिटेड के बैनर तले किया जा रहा है। वही इस फिल्म को वर्ल्डवाइड रिकार्ड्स लिमिटेड और जितेंद्र गुलाटी द्वारा प्रस्तुत किया जायेगा। फिल्म की कहानी पारिवारिक होने वाली है। इस फिल्म में जय यादव के साथ माही श्रीवास्तव की जोड़ी नजर आएगी।इस फिल्म की शूटिंग उत्तर प्रदेश के कई रमणीय लोकेशन पर की जा रही है।

निर्माता रत्नाकर कुमार ने कहा कि अभी हम अपनी फिल्मों को कम्प्लीट करने में लगे हुए है। साल खत्म होने कि कगार पर है इसलिए हम सभी प्रोजेक्ट को पूरा कर रहे हैं और नये साल में हम आपको कई नये धमाके लेकर आने वाले है। फिलहाल में आपको ज्यादा कुछ तो नहीं बता सकता हूं लेकिन ये फिल्म आपको बहुत कुछ सोचने पाए मजबूर कर देगी. फिल्म बहू का मायका में जय यादव, माही श्रीवास्तव, श्रुति राव, माया यादव, विनोद मिश्रा, परी सिंघानिया, मटरू, नीलम पांडे, अनूप अरोरा, रोहित सिंह, डॉ. ब्रिजेश कुमार यदुवंशी, नीटू सिंह सहित कई कलाकार नजर आने वाले हैं। फिल्म के निर्माता रत्नाकर कुमार, सह निर्माता निवेदिता कुमार, निर्देशक सचिन यादव, डीओपी सावन कुमार प्रजापति, राइटर शशि कुमार पांडे, संगीतकार साजन मिश्रा हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com

चेन्नई | शनिवार | 14-12-2024 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

सूर्य का प्रकाश संपूर्ण संसार के लिए बहुत ही महत्वपूर्ण है क्योंकि सूर्य जगाता है। आज के दिन कई लोग सोये रहते हैं लेकिन यह सक्रियता का संदेश देने वाला है। जो सक्रिय होता है उसे ऊर्जा प्रदान करने वाला है। जिसका रवि तेजस्वी है, वह सफलता प्राप्त करता है। सबके लिए उसकी उपस्थिति विशेष प्रकार के प्रभाव से भर देती है। जो पितृ भक्त होता है, उसका सूर्यबल बढ़ता है। जहां- जहां पिता का सम्मान है, वहां आपका भी सम्मान बढेगा। यह बड़ों की विश्वसनीयता का प्रतीक है।

चेन्नई में 'प्रयागराज महाकुंभ-2025' के लिए रोड शो का हुआ आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

- राज्य के राज्यपाल, मुख्यमंत्री व आमजनता को दिया गया आमंत्रण
- उत्तरप्रदेश के मंत्री जयेंद्र प्रतापसिंह राठौड़ और असीम अरुण ने महाकुंभ की दी विस्तृत जानकारी

चेन्नई। मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी के नेतृत्व वाली उत्तरप्रदेश सरकार महाकुंभ 2025 को भारत की संस्कृति का वैश्विक प्रतीक बनाने के लिए समर्पित हैं। यह महाकुंभ प्रयागराज में आगामी वर्ष में 13 से 26 फरवरी तक गंगा, यमुना और सरस्वती नदियों के संगम के पवित्र तट पर होगा। इस प्रयास और विजन के तहत, सहकारिता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार)जयेंद्र प्रतापसिंह राठौड़ और राज्य समाजविकास मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने तमिलनाडु में एक भव्य रोड शो किया। दोनों राजनेताओं ने महाकुंभ को एक अद्वितीय आयोजन के रूप में रेखांकित किया और तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि, तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन और तमिलनाडु के सम्मानित लोगों को प्रयागराज महाकुंभ-2025 में भाग लेने का निमंत्रण दिया। इसकी तैयारियों के लिए उत्तर प्रदेश सरकार ने समय रहते सावधानीपूर्वक व्यवस्थाएं कर ली हैं।

भारत की अनेकता में एकता का शाश्वत एवं सामूहिक उद्घोष है महाकुंभ : असीम अरुण

समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण ने बताया कि पर्यटकों की सुरक्षा के लिए इंतजाम किए गए है। 101 स्मार्ट पार्किंग केन्द्र बनाए गए है जिसमें प्रतिदिन पांच लाख वाहनों को समायोजित करने की क्षमता है। उन्होंने बताया कि 35 मौजूदा पक्के घाट और 9 नये घाट है। महाकुंभ नगरी में श्रद्धालुओं के स्नान की सुविधा के लिए घाटों का निर्माण किया गया है। हवाई मार्ग से 12 किलोमीटर क्षेत्र में फैले सभी 44 घाटों पर पुष्प वर्षा की जाएगी। असीम अरुण ने कहा कि कुंभ केवल एक मेला या पवित्र जल में डुबकी लगाने का अनुष्ठान नहीं है, बल्कि भारत की अनेकता में एकता का शाश्वत एवं सामूहिक उद्घोष है महाकुंभ। महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं की गिनती तकनीक के जरिए की जाएगी। कुंभ में लगभग 450 मिलियन भक्तों के आने की उम्मीद है। तीन तकनीक से प्रत्येक व्यक्ति की गणना के लिए विधियों का उपयोग किया जाएगा। पहली विधि विशेषता-आधारित खोज है, जहां व्यक्ति का उपयोग करके ट्रैकिंग की जाएगी। दूसरी विधि में आरएफआईडी रिस्टबैंड शामिल हैं, जो तीर्थयात्रियों को प्रदान किए जाएंगे।। इन रिस्टबैंड के जरिए प्रवेश और निकास के समय को ट्रैक किया जाएगा। तीसरा तरीका है मोबाइल ऐप ट्रैकिंग, जहां तीर्थयात्रियों का स्थान एक मोबाइल एप्लिकेशन का उपयोग करके जीपीएस के माध्यम से ट्रैक किया जाएगा।

उत्तर प्रदेश सरकार दिव्य, भव्य एवं डिजिटल महाकुंभ के लिए प्रतिबद्ध : जयेन्द्र प्रतापसिंह

यह कुंभ एक स्वच्छ, स्वस्थ, सुरक्षित और डिजिटल महाकुंभ होगा। इस आयोजन को एकल-उपयोग प्लास्टिक-मुक्त घोषित करके पर्यावरण अनुकूल बनाने का निर्णय लिया गया है।

रोड शो के बाद मीडिया से बातचीत में जयेंद्र प्रतापसिंह राठौड़ ने कहा कि महाकुंभ भारत की सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक चेतना एवं 'एक' का दिव्य एवं जीवंत प्रतिनिधित्व है। उन्होंने बताया कि प्रयागराज महाकुंभ-2025 में 450 मिलियन से अधिक तीर्थयात्रियों, संतों, तपस्वियों और पर्यटकों के आने की उम्मीद है। राठौड़ ने बताया कि गंगा के संगम के पवित्र तट पर आयोजित इस महाकुंभ को यूनेस्को द्वारा अमूर्त सांस्कृतिक विरासत के रूप में मान्यता प्राप्त है। उत्तर प्रदेश सरकार दिव्य, भव्य एवं डिजिटल रूप से उन्नत महाकुंभ आयोजन हेतु प्रतिबद्ध है। सिंह ने कहा कि यह कुंभ एक स्वच्छ, स्वस्थ, सुरक्षित और डिजिटल महाकुंभ होगा। इस आयोजन को एकल-उपयोग प्लास्टिक-मुक्त घोषित करके पर्यावरण अनुकूल बनाने का निर्णय लिया गया है। इस पहल के तहत दोना-पत्तल विक्रेताओं की विभिन्न दुकानें होंगी। 'हर घर दस्तक' के तहत एकल उपयोग प्लास्टिक मुक्त पर्यावरण का संदेश हर घर तक पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने हरित महाकुंभ के बारे में बताते हुए कहा कि महाकुंभ मेला स्वच्छ और हरा कुंभ है। पूरे प्रयागराज में लगभग तीन लाख पौधे रोपे गए है। उत्तर प्रदेश सरकार ने इसके बाद भी उनकी देखभाल और रखरखाव सुनिश्चित करने का वादा किया है।

मंत्री सिंह ने बताया कि महाकुंभ में तीर्थयात्रियों, साधुओं, संतों और पर्यटकों के लिए व्यापक स्वास्थ्य सेवाएँ की तैयारियां की जा रही हैं। स्वास्थ्य और स्वच्छता पर ध्यान केंद्रित किया गया है। तीर्थयात्री, साधु, संत, महाकुंभ में आने वाले पर्यटकों ने लिए परेड ग्राउंड पर एक 100 बिस्तर वाला अस्पताल भी बनाया गया है जिसमें कई विशेषज्ञ डॉक्टरों की तैनाती की गई है। 20 बिस्तरों वाले दो और अस्पताल और 8 बिस्तरों वाले छोटे अस्पताल भी तैयार किए गए है। मेले में सेना अस्पताल द्वारा 10-10 बिस्तरों वाले दो आईसीयू स्थापित किए गए हैं। इन अस्पतालों में 24 घंटे डॉक्टर ड्यूटी पर रहेंगे।

उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार दिव्य, भव्य एवं डिजिटल महाकुंभ का आयोजन कर रहे है। सरकार एआई-संचालित एक समर्पित वेबसाइट और ऐप लॉन्च कर रही है। 11 भाषाओं में चैटबॉट, लोगों और वाहनों के लिए क्यूआर-आधारित पास, एक बहुभाषी डिजिटल लॉस्ट और केंद्र, साफ-सफाई और तंबू के लिए आईसीटी निगरानी, भूमि और सुविधा के लिए सॉफ्टवेयर, बहुभाषी डिजिटल साइनेज (वीएमडी), एक स्वचालित राशन आपूर्ति प्रणाली, ड्रोन- आधारित निगरानी और आपदा प्रबंधन, 530 परियोजनाओं की निगरानी के लिए लाइव सॉफ्टवेयर और इन्वेंट्री ट्रैकिंग प्रणाली, पर्यटकों की सुविधा के लिए स्मार्ट पार्किंग की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है ।

ईशा आउटरीच समर्थित पोन्नद किसान उत्पादक कंपनी ने सीआईआई एफपीओ उत्कृष्टता पुरस्कार जीता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। ईशा फाउंडेशन की सामाजिक विकास शाखा ईशा आउटरीच द्वारा समर्थित पांच किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) को कृषि और ग्रामीण विकास में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए प्रतिष्ठित राष्ट्रीय और राज्य स्तरीय पुरस्कार मिले हैं।

गत 6 महीनों में ईशा आउटरीच द्वारा समर्थित 5 एफपीओ ने विभिन्न राष्ट्रीय और राज्य पुरस्कार जीते हैं।

कर्नाटक की पोन्नद किसान उत्पादक कंपनी लिमिटेड ने नई दिल्ली में सीआईआई एफपीओ शिखर सम्मेलन 2024 में मार्केट लिंकेज श्रेणी में प्रतिष्ठित सीआईआई एफपीओ उत्कृष्टता पुरस्कार प्राप्त किया।

पोन्नद एफपीसीएल वित्त वर्ष 2023-24 में □9 करोड़ का कारोबार हासिल करते हुए मडिकेरी क्षेत्र में लीडर के रूप में उभरी है। यह मान्यता कॉर्पोरेट खरीदारों के साथ इसकी मजबूत भागीदारी, पारदर्शी गुणवत्ता जांच और कॉफी किसानों के लिए मुफ्त परिवहन और भंडारण सुविधाओं जैसी पहलों से उपजी है, जिससे उनकी आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। कर्नाटक में टिपटूर किसान उत्पादक कंपनी लिमिटेड को कर्नाटक राज्य कृषि उत्पाद प्रसंस्करण और निर्यात निगम लिमिटेड (केएपीपीईसी) द्वारा किसानों से सीधे खरीदारों तक उच्च गुणवत्ता वाले, अच्छी तरह से पैक किए गए कृषि उत्पाद पहुंचाने के लिए इसके समर्पण के लिए सम्मानित किया गया।

एफपीओ ने अपने पारदर्शी तरीकों के माध्यम से अपने सदस्यों का विश्वास जीता है, जिससे कोपरा के लिए बेहतर मूल्य प्राप्त हुए हैं और इसके किसान समुदाय को सशक्त बनाया गया है।

एफपीओ के निदेशक गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए उपज की छंटाई और ग्रेडिंग में व्यक्तिगत रूप से शामिल होते हैं।

तेरापंथ महिला मंडल की दो दिवसीय 'श्री उत्सव प्रदर्शनी' आज से

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। शहर के गांधीपार्क स्थित एकेएस नगर में तेरापंथ भवन में शनिवार से दो दिवसीय श्री उत्सव प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है। तेरापंथ महिला मंडल द्वारा शनिवार व रविवार को आयोजित इस प्रदर्शनी का आयोजन 'एक कदम स्वांलम्बन की ओर' पहल के तहत किया जा है। इस प्रदर्शनी में फैशनवेयर, ज्वेलरी, फैंसी आइटम, हैंडीक्राफ्ट्स, फूड आइटम्स और अन्य वस्तुओं की स्टॉल लगाए जाएंगे। इस प्रदर्शनी का उमें लोगो के लिए खिफायती दाम में सेल होगा ।इस प्रदर्शनी का उद्घाटन टाइटल प्रायोजक एचएम टेक्सटाइल्स के सदस्य शनिवार को सुबह 10.30 बजे करेंगे। मंडल के अध्यक्ष मंजू सेठिया व मंत्री सुमन सुराणा ने सभी को प्रदर्शनी में आने का न्यौता दिया है ।

बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ सौंपा ज्ञापन

भाजपा समर्थक मंच ने राष्ट्रपति मुर्मू के लिए सौंपा ज्ञापन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारतीय जनता पार्टी समर्थक मंच के प्रतिनिधियों ने प्रदेश अध्यक्ष नीतेश शरण के नेतृत्व में कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत से मुलाकात कर उन्हें बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों के खिलाफ हो रही हिंसा के विरोध करते हुए एक ज्ञापन सौंपा। समिति ने प्रदेश अध्यक्ष नितेश शरण ने बताया कि बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों के खिलाफ हो रही हिंसा की हम निंदा करते है और राज्यपाल के माध्यम से राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के लिए एक ज्ञापन सौंपा है।

शरण ने कहा कि समस्त हिन्दू समाज की ओर से हम राष्ट्रपति, भारत सरकार से निवेदन करते है कि हिन्दू अल्पसंख्यक की रक्षा करें। अन्य समुदाय को आगे आना चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि मानवाधिकारों और धार्मिक स्वतंत्रता को संरक्षित करते हुए पीड़ितों को त्वरित न्याय मिले।

इस ज्ञापन में आग्रह किया गया कि भारत सरकार को बांग्लादेश की अंतरिम सरकार से देश में हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों पर हो रहे उत्पीड़न के खिलाफ कार्रवाई करने का दबाव बनाना चाहिए।

समझौता ज्ञापन : दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सीएसआईआर-स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग रिसर्च सेंटर (सीएसआईआर-एसईआरसी), चेन्नई और एनटीपीसी लिमिटेड, नई दिल्ली के बीच शुक्रवार को सीएसआईआर-एसईआरसी, चेन्नई में एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। यह समझौता ज्ञापन सीएसआईआर-एसईआरसी और एनटीपीसी लिमिटेड के बीच शुरू की जाने वाली सभी परियोजनाओं को नियंत्रित करेगा। समझौता ज्ञापन पर सीएसआईआर-एसईआरसी के निदेशक डॉ. एन. आनंदवल्ली और एनटीपीसी लिमिटेड, रायपुर के एजीएम और एचओडी (स्टेशन इंजीनियरिंग) के. नागेश ने हस्ताक्षर किए।

पॉन्डिचेरी विश्वविद्यालय में गैर-हिंदी भाषी हिंदी लेखकों के लिए पांच दिवसीय शिविर आयोजित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुदुचेरी। पांडिचेरी विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग, केंद्रीय हिंदी निदेशालय, शिक्षा मंत्रालय, उच्च शिक्षा विभाग, नई दिल्ली के सहयोग से गैर-हिंदी भाषी हिंदी नव-लेखकों के लिए हिंदीतर भाषी हिंदी नव लेखक शिविर नामक पांच दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम समन्वयक प्रोफेसर पद्मप्रिया ने सभी का स्वागत किया ।

पांडिचेरी विश्वविद्यालय के कुलपति (प्रभारी) प्रोफेसर थारानिक्करसु कन्नन ने अध्यक्षीय भाषण देते हुए उन्होंने छात्रों के लिए बहुत उपयोगी कार्यक्रम आयोजित करने के लिए हिंदी विभाग की प्रशंसा की। पांडिचेरी विश्वविद्यालय के संस्कृति और सांस्कृतिक संबंध निदेशालय के निदेशक और मानविकी स्कूल के डीन, अंग्रेजी के प्रोफेसर प्रोफेसर क्लेमेंट सगयादराज लूर्डेस ने स्वागत भाषण दिया।

इस अवसर पर दिल्ली से हिंदी साहित्यकार नरेश शांडिल्य, इंदौर से राष्ट्रीय कवि राकेश डांगी, शिविर प्रभारी अच्युत सिंह ने केंद्रीय हिंदी निदेशालय और उसकी गतिविधियों का परिचय दिया। पुदुचेरी के भारतीदासन कॉलेज की हिंदी की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. निशा शर्मा, पत्रकार विनय ठाकुर, पांडिचेरी विश्वविद्यालय के पूर्व हिंदी अधिकारी डॉ. जे. सुरेंद्रन, हिंदी विभाग की अतिथि प्राध्यापक डॉ. अनीता सिंह और शोध छात्रा सुश्री सत्यभामा कथा, कविता, फीचर और समाचार, नाटक अनुवाद और औपचारिक आधिकारिक लेखन में नवोदित लेखकों के लिए सत्र का संचालन किया। जिसमें देश भर से आए 14 प्रतिभागियों के साथ हिंदी विभाग के लगभग 30 स्नातकोत्तर छात्र और शोध छात्र भी सक्रिय रूप से भाग लिया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.